

सिंगल कॉलम

इंदौर में 18 से अधिक स्कूली बच्चों को वैन में बैठाकर दौड़ा रहा था चालक, वाहन जब्त

आमजन की मदद से वैन चालक को रोका गया। सभी बच्चों को उनके स्कूल तक सुरक्षित छोड़ गया।

इंदौर। शहर में निजी परमिट में पंजीकृत वाहनों से स्कूली बच्चों का परिवहन किया जा रहा है। लगातार जांच और कार्रवाई के बाद भी वैन और ऑटो से बच्चों को स्कूल छोड़ा जा रहा है। इनमें क्षमता से अधिक बच्चे बैठाकर जल्दी पहुंचाने के चक्कर में वाहन तेज गति से दौड़ाया जाते हैं। कुछ ऐसा ही वाकया मंगलवार को हुआ, जब राऊ क्षेत्र में 18 से अधिक छोटे बच्चों को बैठाकर वैन दौड़ाई जा रही थी। परिवहन विभाग ने लोगों की मदद से वैन को रोका और बच्चों को सुरक्षित छुड़वा कर वैन को जब्त किया। क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय इंदौर एवं सभागीय परिवहन सुरक्षा दस्ते द्वारा जिले में अलग-अलग स्थान पर लगातार वैकिंग अभियान चलाए जा रहे हैं। मंगलवार को टीम वैकिंग के लिए राऊ चौराहा जा रही थी। इस दौरान लोगों ने वैन में क्षमता से अधिक बच्चे बैठाकर तेज गति से चलाने की शिकायत की। परिवहन विभाग की टीम ने वैन को रोकना चाहा, लेकिन वह नहीं रुका। लोगों की सहायता से राऊ क्षेत्र की कालोनी में वैन को पकड़ा गया। आरटीओ प्रदीप कुमार शर्मा ने बताया कि मोबाइल पर बात करते हुए तेज गति से चलाने पर वैन को जब्त किया गया है। वैन में क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाया गया था।

बच्चों को सुरक्षित पहुंचाया

वैन में सवार 18 से अधिक बच्चों को बैठाया गया था। सभी बच्चों की होसला अफसाई कर को उनके स्कूल तक सुरक्षित छोड़ गया। इसके बाद वैन को जब्त किया गया।

ब्राउन शुगर की तस्करी करने वाले आरोपित गिरफ्तार

इंदौर। ब्राउन शुगर की तस्करी करने वाले आरोपितों को क्राइम ब्रांच की टीम ने गिरफ्तार किया। मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ व्यक्ति मोटरसाइकिल से एमआइजी थाना क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले हैं। इस पर थाना पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए अयोध्या पूरी कालोनी से तीन सदिय्ध व्यक्तियों को घेराबंदी कर पकड़ा। इनकी तलाशी में इनके पास से 55 ग्राम ब्राउन शुगर मिली। पुलिस के मुताबिक आरोपित प्रशांत ठाकुर उर्फ छोटै, निखिल पाल उर्फ सक्की और विशाल बिजोरे उर्फ चिरोगी को गिरफ्तार किया है।

इंदौर में देर रात पब के बाहर युवक-युवतियों का विवाद

दोनों पक्षों की तरफ से भीड़ एकत्रित हो गई, लेकिन पुलिसकर्मों नजर नहीं आए, जबकि पुलिस कमिश्नर ने देर रात तक गश्त करने के आदेश दिए हैं।

इंदौर। विजय नगर थाना क्षेत्र में आए दिन पब के बाहर विवाद देखने को मिलते हैं। सोमवार को भमोरी स्थित पब के बाहर रात 12 बजे युवक और युवतियों के बीच जमकर विवाद हुआ। इस दौरान एक-दूसरे के साथ मारपीट भी करते रहे। दोनों पक्षों की तरफ से भीड़ एकत्रित हो गई, लेकिन पुलिसकर्मों नजर नहीं आए, जबकि पुलिस कमिश्नर ने देर रात तक गश्त करने के आदेश दिए हैं। ऐसे में नए साल के जश्न पर उत्पात मचाने वाले लोगों को पुलिस रोक पाएगी या नहीं?

बजरंग दल ने किया नगर निगम का घेराव

बजरंग दल ने निगम कार्यालय पर लगाया ताला-इंदौर के द्वारकापुरी जोन में बछड़े का शव मिलने से नाराज कार्यकर्ताओं ने किया घेराव

इंदौर के द्वारकापुरी जोन में मंगलवार को बछड़े का शव मिलने से सनसनी फैल गई। बजरंग दल के नाराज कार्यकर्ताओं ने दोपहर को निगम कार्यालय का घेराव कर कार्यालय के दरवाजे पर ताला लगा दिया। घेराव के दौरान बजरंग दल के सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने नगर निगम और पुलिस के खिलाफ जमकर नारे लगाए। बजरंग दल कार्यकर्ता बछड़े का शव लेकर नगर निगम कार्यालय पहुंचे थे। कार्यकर्ता गौ हत्या करने वालों पर कार्रवाई की मांग कर रहे थे। बाद में निगम अधिकारियों से बातचीत और कार्रवाई के आश्वासन के बाद प्रदर्शन खत्म किया गया।

आटो रिक्शा चालक ने फांसी लगाई

एमआइजी थाना क्षेत्र में आटो रिक्शा चालक ने फांसी लगा कर खुदकुशी कर ली। स्वजन ने एक महिला पर धमकाने का आरोप लगाया है। पुलिस के मुताबिक रुस्तम की चाल निवासी बालकिशन मोदिया पहले मकान बनाने का काम करता था। फिलहाल वह आटो रिक्शा चला रहा था। सोमवार को उसने फांसी लगा ली। स्वजन ने कहा कि गोटू का चाल निवासी एक महिला डेढ़ लाख रुपये को लेकर परेशान कर रही थी। सोमवार को बालकिशन ने दूसरी पत्नी के घर जाकर जान दे दी।

नौ लाख रुपए की चांदी चोरी करके भाग नौकर पकड़ा

इंदौर के ज्वेलर का चोर नौकर पकड़ाया-5 साल में भरोसा काम कर गायब की थी 9 लाख की चांदी इंदौर के छोटा सराफा में ज्वेलर्स के यहां चोरी करने वाले नौकर को पुलिस ने पकड़ लिया है। आरोपी से चोरी का माल जब्त किया जा रहा है। आरोपी ने 5 साल तक नौकरी करते हुए यहां से करीब 9 लाख की चांदी पर हाथ साफ कर दिया। सराफा पुलिस ने छोटा सराफा की नवीन ज्वेलर्स पर चोरी करने के मामले में आरोपी रिक्तिक पुत्र दौलतराम शर्मा निवासी लोकनायक नगर को पकड़ा है। रिक्तिक के खिलाफ लोधीपुरा में रहने वाले उसके मालिक नवीन शर्मा ने ही केस दर्ज कराया था। नवीन ने अपनी शिकायत में बताया कि आरोपी रिक्तिक करीब 5 साल से उसके यहां काम कर रहा है। इस दौरान उसने कई बार भरोसे में माल चेक नहीं किया।

राज्यसेवा 2019 का अंतिम परिणाम जारी, पहली बार दो परीक्षा से जारी हुआ एक अधूरा परिणाम

इंदौर। चार साल से अधर में लटकी राज्यसेवा परीक्षा-2019 का अंतिम परिणाम और चयन सूची मंगलवार देर रात जारी कर दी। मप्र लोकसेवा आयोग(पीएससी) द्वारा रातों-रात जारी किए इन परिणामों से अभ्यर्थी भी हैरान रह गए। कुल 571 पदों के लिए राज्यसेवा-2019 घोषित हुई थी। ताजा परिणाम में इन पदों के मुकाबले सिर्फ 87 प्रतिशत पदों के लिए परिणाम और चयन सूची घोषित की गई है। इस तरह पीएससी ने सिर्फ 472 पदों के लिए चयनित अभ्यर्थियों की सूची जारी की है।पीएससी द्वारा घोषित नतीजों में कुल 24 डिप्टी कलेक्टर, 19 डीएसपी, 17 कोषालय अधिकारी समेत वाणिज्यिककर अधिकारी, जिला आबकारी अधिकारी, जिला पंजीयक जैसे पदों के लिए चयन सूची घोषित की है। इन तमाम पदों के लिए 87 प्रतिशत के अनुपात में ही चयन सूची जारी की गई है। शेष 13 प्रतिशत अभ्यर्थियों के नाम होल्ड पर रख दिए गए हैं। 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण पर कोर्ट का

निर्णय आने के बाद ही शेष 13 प्रतिशत पदों के लिए परिणाम आएंगे। सिर्फ अधूरा रिजल्ट ही नहीं बल्कि राज्यसेवा-2019 के साथ एक अनोखा संयोग और विवाद भी जुड़ गया है। यह अकेली चयन प्रक्रिया है जिसमें दो अलग-अलग मुख्य परीक्षाएं ली गईं और उस आधार पर एक रिजल्ट जारी किया गया। इससे पहले पीएससी मुख्य परीक्षा का रिजल्ट दो बार बदल चुका है। साथ ही इंटरव्यू में चयनित उम्मीदवारों की सूची भी बदली गई है। चयन प्रक्रिया को लेकर कोर्ट में प्रकरण लंबित है। इसी चयन प्रक्रिया और एक चयन के लिए अलग-अलग परीक्षाएं लेने व नार्मलाइजेशन के फार्मूले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में भी याचिकाएं लग चुकी हैं। बोते दिनों तक हाई कोर्ट ने एक अंतरिम आदेश के जरिए 389 अभ्यर्थियों को इंटरव्यू में शामिल करने का आदेश दिया था। यह आदेश अगस्त में आया था। पीएससी इसके खिलाफ फिर कोर्ट में गया। पीएससी ने कहा कोर्ट ने पुराने आदेश को रद्द कर दिया। इसके बाद पीएससी



ने विधिक राय की प्रक्रिया की। तुरत-फुरत में मंगलवार रात 11 बजे बाद रिजल्ट को पीएससी की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया।

नार्मलाइजेशन गलत इस बीच अभ्यर्थियों ने पीएससी पर आरोप लगाया है कि हाई कोर्ट से भी आयोग ने तथ्य छुपाए हैं। दरअसल, इसी परीक्षा पर तीन याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में

चल रही हैं। ऐसे में पीएससी ने उसकी जानकारी स्थानीय हाई कोर्ट को नहीं दी। जब सुप्रीम कोर्ट में याचिका लंबित है तो पीएससी हाई कोर्ट कैसे जा सकता है? अभ्यर्थी आकाश पाठक के अनुसार, सबसे बड़ी गड़बड़ी नार्मलाइजेशन की प्रक्रिया में हुई है। पूर्व में हाई कोर्ट ने आदेश दिया था कि पीएससी को दोनों मुख्य परीक्षाओं के चयनित अभ्यर्थियों

के बीच नार्मलाइजेशन करना है। पीएससी ने इससे इतर जाकर पूर्व में हुई मुख्य परीक्षा में शामिल सभी 10767 से ज्यादा अभ्यर्थियों को नार्मलाइजेशन में शामिल कर लिया। इससे हुआ यह कि जो पूर्व में मुख्य परीक्षा में फेल थे, वैसे 210 अभ्यर्थी इंटरव्यू के लिए चयनित दिखा दिए गए, जबकि पूर्व में चयनित 389 अभ्यर्थी इंटरव्यू से बाहर कर दिए गए। वे कोर्ट से आदेश लेकर आए लेकिन उनकी परीक्षा नहीं ली गई। ये अभ्यर्थी हक के लिए लड़ रहे हैं पीएससी अपनी गलती छुपाने के लिए मनमानी कर रहा है।

टापर में 10 में सात लड़कियां 87 प्रतिशत के आधार पर जारी ताजा परिणाम के अनुसार प्रिया पाठक राज्यसेवा-2019 की टापर बनी हैं। इनके बाद सूची में शिवांगी बघेल, पूजा सोनी, राहुल कुमार पटेल, निधि मिश्रा, हरनीतकौर कलसी, सौरभ मिश्रा, सलोनी अग्रवाल, रीतिका पाटीदार, आशुतोष महादेवसिंह ठाकुर के नाम हैं।इस तरह टाप टेन में सात लड़कियां हैं।

इंदौर में हिट एंड रन, नशे में राहगिरों को टक्कर मारी, बोतल लेकर भागी युवतियां

राहगीरों ने एक युवक को पकड़ा जो स्वयं को मंत्री का रिश्तेदार बता रहा था।

इंदौर। विजय नगर थाना क्षेत्र में शराब के नशे में जिप्सी चालक ने कई लोगों को अस्पताल पहुंचा दिया। अनियंत्रित जिप्सी टक्कर मारते हुए एक पेड़ से टकरा कर रुकी। जिप्सी में बैठी लड़कियों को शराब की बोलतें लेकर भागते हुए देखा गया। राहगीरों ने एक युवक को पकड़ा जो स्वयं को मंत्री का रिश्तेदार बता रहा था।विजय नगर पुलिस के मुताबिक घटना सोमवार शाम स्कीम-54 में गोल्डन गेट होटल और अटल खेल परिसर के समीप की है। जिप्सी (एमपी 09बीसी 9938) का चालक तेज रफ्तार में जिप्सी लेकर आया और जो सामने आया उसे टक्कर मारता गया। जिप्सी ने स्कूटर (एमपी 41जेडडी 7048) को टक्कर मारी जो क्षतिग्रस्त हो गई। चालक व उसकी पत्नी को चोट भी आई। इसके बाद एक आइ-20 कार को भी टक्कर मारी। जिप्सी



का चालक नियंत्रण नहीं कर पाया और एक पेड़ से जा टकराया। टक्कर मारने की घटना के बाद लोगों ने पीछा भी करना शुरू कर दिया था। जैसे ही जिप्सी रुकी चालक को

लोगों ने पकड़ लिया। गुस्साए लोगों ने उसकी जमकर पिटाई की। जिप्सी में उस वक्त लड़कियां भी बैठी थी जो शराब की बोलतें लेकर भागी।

इंदौर में मोबाइल चलाने पर पिता ने फटकारा तो बच्चे ने की आत्महत्या

स्वजन गंभीर अवस्था में अस्पताल लेकर गए थे। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

इंदौर। मोबाइल चलाने से रोक-टोक करने पर बच्चे ने जहर खाकर जान दे दी। मोबाइल के कारण 12 दिन पूर्व भी एक बच्चा फांसी लगाकर खुदकुशी कर चुका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। परिवार मजदूर वर्ग का है। एडिशनल डीसीपी जोन-4 अभिनय विश्वकर्मा के मुताबिक घटना धनश्री नगर की है। 15 वर्षीय मोहित पुत्र मांगीलाल मोरे की सोमवार देर रात मौत हो गई। जीजा हेमेंद्र ने पुलिस को बताया कि मोहित सातवीं तक पढ़ा है।उसके पिता मजदूरी करते हैं। मोहित खाली समय मोबाइल चलाता रहता था। उसके पिता ने उसको इस आदत को लेकर डांटा था। गुस्से में 15 दिसंबर को मोहित ने जहरीला पदार्थ खा लिया। गंभीर अवस्था में उसको भर्ती करवाया गया था। बीच में स्वास्थ्य में सुधारा हुआ लेकिन सोमवार को अचानक स्थिति बिगड़ी और मोहित की मौत हो गई। मोबाइल को लेकर बच्चों की



मनोरंजन की लत लगने लगी है। वे इंटरनेट एडिक्शन आर्डर का शिकार होने लगे हैं। चार-पांच घंटे फोन चलाने से उन्हें अधिक गुस्सा भी आने लगा है। ऐसे में जब कोई उनसे मोबाइल छीनता है तो वह समझ नहीं पाते हैं कि उन्हें करना क्या है। घर में माता-पिता यदि मोबाइल का उपयोग करेंगे तो

बच्चे भी वहीं सीखते हैं। इससे बचाव के लिए बच्चों को डांटने के बजाय उन्हें समझाने की आवश्यकता है। एक लिमिट तय की जाए कि बच्चे कितना फोन का उपयोग करेंगे, वहीं स्वजन इसके लिए बिहेवियर थैरेपी का उपचार भी करवा सकते हैं।

ओलिंपिक के नियमों के तहत होंगे इंदौर महापौर और मप्र महापौर केशरी दंगल

इंदौर। इंदौर महापौर और मप्र महापौर केशरी प्रतियोगिता 8 मार्च से 10 मार्च के बीच होगी। फरवरी में स्कूलों की परीक्षाओं के चलते यह निर्णय लिया गया है। प्रतियोगिता में सभी कुश्तियां मेट पर करवाई जाएंगी। 50 किलो वजन कटेगरी तक की सभी कुश्तियां दो-दो मिनट के राउंड होंगे, जबकि 50 किलो के उपर की कुश्तियां तीन-तीन मिनट के दो राउंड की होगी।यह जानकारी महापौर परिषद के सदस्य नंदकिशोर पहाड़िया ने दी। उन्होंने बताया कि इंदौर महापौर और मप्र महापौर केशरी प्रतियोगिता के आयोजन के संबंध में शहर की व्यायामशालाओं के संचालकों, उस्ताद, खिलाफाओं के साथ हाल ही में एक बैठक हुई है। इसमें सभी ने वर्ष 2022-23 में इंदौर महापौर केशरी और मप्र महापौर केशरी प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए महापौरों के धन्यवाद प्रेषित किया और तय किया कि चूँकि इस वर्ष ज्यादातर परीक्षाएं फरवरी माह में हो रही हैं इसलिए इन प्रतियोगिताओं को मार्च में आयोजित किया जाए ताकि ज्यादा से ज्यादा प्रतिभागी इसमें शामिल हो सकें।



प्रतियोगिता पर 50 लाख रुपये का व्यय होने का अनुमान है। इसकी स्वीकृति महापौर परिषद से प्राप्त हो गई है। इस राशि में पहलवानों को गुर्ज़, इनाम की राशि, पट्टे (उपाधि), प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह आदि से सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा अन्य शहरों से आए पहलवानों के ठहरने और खाने की व्यवस्था भी पहले की तरह की जाएगी।

इन कटेगरी में होगी प्रतियोगिताएं

इंदौर महापौर केशरी पुरुष वर्ग में 25-28, 32, 36, 40, 45, 50, 55, 60, 65, 70, 75 और 75 किलो वजन ओपन, मप्र महापौर केसरी कुश्तियां और इंदौर महिला महापौर केशरी कुश्ती प्रतियोगिता में गत वर्ष की तुलना में एक वजन बढ़ाया गया है। महिला वर्ग के वजन इस प्रकार हैं 32-35, 40, 45, 50, 55, 55 प्लस किलो वजन ओपन इंदौर महिला महापौर केशरी कुश्तियों का आयोजन किया जाएगा।

गर्लफैंड से बात करने पर युवक ने पीटा-गाड़ी में की तोड़फोड़

इंदौर। युवती से बातचीत करने की बात पर युवकों ने खूब उत्पात मचाया। एक युवक की पिटाई की और कार में तोड़फोड़ कर डाली। पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। तिलक नगर पुलिस के मुताबिक घटना आंचल नगर की है। फरियादी प्रियंका पटेल ने आरोपित हर्ष शर्मा निवासी रदौर जिया यमुना नगर हरियाणा, अनुज यादव निवासी करैरा शिवपुरी, कदम यादव निवासी करैरा शिवपुरी, यकिन

पांचाल निवासी नागदा के खिलाफ एफआइआर दर्ज करवाई है। प्रियंका के मुताबिक उसके घर पर दोस्त अनन्या अग्रवाल और दिशांशु आए थे। तभी हर्ष आया और दिशांशु से बात करने पर विवाद करने लगा। उसने इंस्टाग्राम पर फोटो साझा करने पर विवाद किया। उसने कांच की बोतल फोड़ दी। बाहर खड़ी दिशांशु सैनी की कार (एमपी 09सीटी 5676) में भी तोड़फोड़ कर दी।

नए ट्रैक पर 120 किमी प्रति घंटा की गति से दौड़ेगा निरीक्षण यान

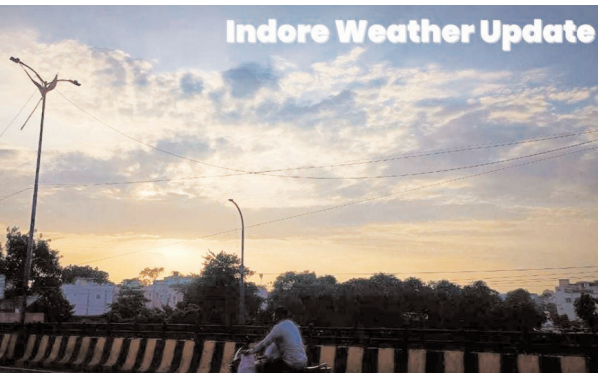


इंदौर। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के उज्जैन-देवास-इंदौर खंड पर बरलई से लक्ष्मीबाई नगर तक दोहरीकरण कार्य पूर्ण हो गया है। इस दोहरीकरण के दौरान बिछाए गए नए ट्रैक पर 120 किमी प्रति घंटा की गति से निरीक्षण यान दौड़ाकर क्षमता जांची जाएगी। 28 दिसंबर को रेल संरक्षा आयुक्त पश्चिम परिमंडल आरके शर्मा द्वारा निरीक्षण एवं स्पीड ट्रायल किया जाएगा।इंदौर-देवास-उज्जैन रेल खंड के बरलई से लक्ष्मीबाई नगर तक 27 किमी लंबे रेल खंड में किए दोहरीकरण कार्य का निरीक्षण किया जाना है। गुरुवार को सुबह नौ बजे से रात्रि नौ बजे तक रेल संरक्षा आयुक्त शर्मा द्वारा रेलवे ट्रैक, पुल, पुलिया, अप्रोच की जांच

के अलावा इंटरमीडिएट स्टेशन के मध्य गति के साथ मोटर ट्राली निरीक्षण किया जाएगा। इस दौरान आमजन से अनुरोध किया गया है कि वह सुबह से रात तक दोहरीकृत रेल लाइन के आसपास न जाएं और नहीं अपने पालतू पशुओं को रेलवे ट्रैक के आसपास न जाने दें।

रेलवे ने लिया है लंबा ब्लाक पश्चिम परिमंडल आरके शर्मा द्वारा निरीक्षण एवं स्पीड ट्रायल किया जाएगा।इंदौर-देवास-उज्जैन रेल खंड के बरलई से लक्ष्मीबाई नगर तक 27 किमी लंबे रेल खंड में किए दोहरीकरण कार्य का निरीक्षण किया जाना है। गुरुवार को सुबह नौ बजे से रात्रि नौ बजे तक रेल संरक्षा आयुक्त शर्मा द्वारा रेलवे ट्रैक, पुल, पुलिया, अप्रोच की जांच

हवाओं की दिशा बदलते ही इंदौर में तापमान करीब दो डिग्री सेल्सियस आया नीचे



इंदौर। उत्तर-पूर्वी दिशा की तरफ से चलने वाली हवा ने सात दिन बाद रूख बदल दिया है। मंगलवार रात को पूर्वी-दक्षिण पूर्वी से हवा चली। इसके चलते दो दिन बाद न्यूनतम तापमान नीचे आया है। बोते 24 घंटे में रात का तापमान में करीब दो डिग्री सेल्सियस का अंतर दिखा। बुधवार को मौसम शुष्क रहेगा।आसमान साफ होने से दिनभर धूप खिली रहेगी। इससे ठंड से थोड़ी राहत मिल सकती है। अधिकतम तापमान 29.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। जबकि न्यूनतम तापमान 13.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से तीन डिग्री अधिक था। हवा की रफ्तार

आठ किमी प्रतिघंटा रही। बुधवार सुबह दृश्यता दो हजार मीटर रही। मौसम विभाग के मुताबिक अगले तीन दिन तक मौसम शुष्क रहेगा। उसके बाद ही तापमान नीचे आएगा। आज का तापमान मंगलवार को हवा का रुख बदल गया। उत्तर-उत्तर पूर्वी दिशा से हवा चली। इसकी रफ्तार छह किमी प्रतिघंटा रही। न्यूनतम तापमान बढ़ गया। अधिकतम तापमान 29.2 डिग्री सेल्सियस रहा। न्यूनतम तापमान 15.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से पांच डिग्री अधिक रहा।

सिंगल कॉलम

नये वर्ष के जश्न में डीजे से किया शोर तो होगी एफआइआर



इस बार नये वर्ष का जश्न बिना शोर-शराबा के मनाया होगा। यदि कहीं भी अत्यधिक शोर हुआ तो संबंधित के खिलाफ स्थानीय थाना पुलिस द्वारा शासकीय नियमों के उल्लंघन की धाराओं के तहत एफआइआर दर्ज की जाएगी। दरअसल सर्वोच्च न्यायालय की गाइडलाइन का पालन कराने के लिए सरकार ने आदेश दिए हैं। इसी के तहत कलेक्टर आशीष सिंह ने लाउडस्पीकर और डीजे का उपयोग करने के लिए नियम तय कर दिया है। जहां एक लाउडस्पीकर का उपयोग करना सुनिश्चित किया गया है तो वहीं डीजे संचालक द्वारा सिर्फ दो बाक्स का उपयोग ही किया जा सकेगा। जानकारी के अनुसार शहर में लगभग 600 डीजे संचालक हैं। जिन्होंने पूर्व में बाक्स बढ़ाने की मांग प्रशासन से की है लेकिन कलेक्टर ने उनकी मांग मानने से मना कर दिया है। ऐसे में अब नये वर्ष के दौरान उनको नियमानुसार सिर्फ दो ही बाक्स का उपयोग करना होगा। जिले की सभी सर्कलों के एसडीएम को दलों का प्रभारी बनाया है। इनमें प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी और थाना प्रभारी मिलकर कार्रवाई करेंगे। यह टीमें वैसे तो आए दिन जांच कर रही हैं लेकिन 31 दिसंबर की रात को विशेष रूप से अभियान चलाकर नजर रखेंगी। होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा, बार आदि में दलों की नजर रहेगी। जहां नये वर्ष के जश्न में यदि नियमों का उल्लंघन कर डीजे का उपयोग किया गया तो संचालक पर कार्रवाई होगी। नये वर्ष को लेकर प्रशासन पूरी तरह से सख्त है। 31 दिसंबर की रात 10 बजे से सुबह छह बजे तक सुरक्षा-व्यवस्था सहित अन्य इंतजाम पुख्ता किए जाएंगे।

10 हजार डीजे संचालकों का प्रदर्शन

आज भोपाल इलेक्ट्रानिक म्यूजिकल बैंड एसोसिएशन के अध्यक्ष संदीप कुमार ने बताया कि हमने सरकार से मांग की है कि कम से कम चार से छह बाक्स की अनुमति दी जाए। इसके बाद भी हमारी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया है। इसी के चलते बुधवार को प्रदेशभर के लगभग 10 हजार डीजे संचालक भोपाल में जुटेंगे और अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करेंगे।

क्षेत्र अनुसार तय की गई है डेसीबल में ध्वनि तीव्रता

क्षेत्र - दिन - रात

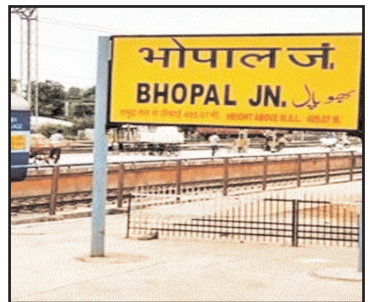
औद्योगिक - 75 - 70

व्यवसायिक - 65 - 55

रहवासी - 55 - 45

शांत जोन - 50 - 40

ब्राडगेज रेल लाइन कार्य भोपाल-जयपुर एक्सप्रेस 29 से निरस्त



भोपाल। पश्चिम मध्य रेलवे भोपाल मंडल में रामगंजमंडी-भोपाल के मध्य नयी ब्रोडगेज रेल लाइन कार्य किया जा रहा है। इस कार्य के चलते भोपाल-जयपुर एक्सप्रेस को निरस्त व आंशिक निरस्त करने का निर्णय रेलवे ने लिया है। ट्रेन 19711 जयपुर-भोपाल एक्सप्रेस 27 एवं 28 दिसंबर को अपने प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त रहेगी तथा 29 दिसंबर से 4 जनवरी तक जयपुर-उज्जैन के मध्य चलेगी तथा उज्जैन-भोपाल के मध्य आंशिक निरस्त रहेगी। इसी तरह ट्रेन 19712 भोपाल-जयपुर एक्सप्रेस 28 एवं 29 दिसंबर को निरस्त रहेगी तथा 30 दिसंबर से 5 जनवरी तक उज्जैन-जयपुर के मध्य चलेगी तथा भोपाल-उज्जैन के मध्य आंशिक निरस्त रहेगी।

रानी कमलापति-अगरतला एक्सप्रेस स्पेशल की संचालन अवधि बढ़ाई रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं अतिरिक्त यात्री यातायात क्लियर करने के लिए ट्रेन 01665-66 रानी कमलापति-अगरतला-रानी कमलापति साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन के चलने की अवधि बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। ट्रेन 01665 रानी कमलापति-अगरतला साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन 28 मार्च 2024 तक तथा ट्रेन 01666 अगरतला-रानी कमलापति साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन 31 मार्च 2024 तक चलती रहेगी। इससे पूर्व ट्रेन 01665 रानी कमलापति-अगरतला साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन को 28 दिसंबर 2023 तक तथा ट्रेन 01666 अगरतला-रानी कमलापति एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन को 31 दिसंबर तक चलाने का निर्णय लिया गया था, जिसे 28 मार्च तथा 31 मार्च 2024 तक बढ़ाया गया है।

भोपाल के बीआरटीएस कारीडोर को लेकर सीयासत शुरू

उमा और तन्खा ने की जांच की मांग



प्रतीक्षित निर्णय के लिए। बस एक टाइम बाउंड पूछताछ की ज़रूरत है। किन नौकरशाह के शौक ने यह जन असुविधा रची। और किसको फ़ैयदा पहुँचने के लिये। करोड़ों में पब्लिक फंड्स का वैस्टेज। आप से उम्मीद है की आप जाँच के आदेश ज़रूर देंगे। उल्लेखनीय है की 13



मप्र में मंत्रियों को लोकसभावार दिए जाएंगे प्रभार

एक-दो दिन में हो सकता है विभागों का आवंटन

भोपाल। कैबिनेट विस्तार के बाद मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव ने मंगलवार को मंत्रियों के साथ मंत्रालय में पहली बैठक की। इसमें लोकसभा चुनाव की तैयारियों के साथ-साथ विकसित भारत संकल्प यात्रा के साथ केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लोगों तक पहुंचाने पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी मंत्री अपने-अपने क्षेत्र में तैयारियों में जुट जाएं। लोकसभा सीटवार मंत्रियों को प्रभार दिया जाएगा।

विभाग आवंटन के बाद समीक्षा

बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें सभी 29 लोकसभा सीटों पर विजय प्राप्त करनी है। इसके लिए हम सब अभी से जुट जाएंगे। अपने-अपने प्रभाव क्षेत्र में सक्रियता बढ़ाएं। कार्यकर्ताओं से सीधा संपर्क रखें। संकल्प पत्र मोदी की गारंटी है, जिसे सभी वरिष्ठ अधिकारियों को सौंपा है। सुशासन हमारी सरकार की प्राथमिकता है। आमजन को सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर मिल जाए, तो संतुष्टि का भाव आता है। विभाग आवंटन के बाद समीक्षा की जाएगी। विकसित भारत संकल्प यात्रा चल रही है। इसमें केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के प्रचार-प्रसार के साथ लाभ दिलाया भी सुनिश्चित किया जाए। सभी इसमें बढ़-चढ़कर भागीदारी करें और जिलों में योजनाओं की समीक्षा भी करें। इसके लिए वरिष्ठ अधिकारियों को संभागों के प्रभार दिए गए हैं। बढ़-चढ़कर भागीदारी करें। जल्द ही मंत्रियों को लोकसभा और जिलेवार प्रभार दिए जाएंगे। क्षेत्र में अधिक से अधिक लोगों से मुलाकात हो। बैठक में मंत्रियों ने सरकार की प्राथमिकता और लक्ष्यपूर्ति के लिए मिलकर काम करने की बात रखी। बैठक में मुख्य सचिव वीरा राणा का परिचय मंत्रियों से कराया गया। एक-दो दिन में हो सकता है विभागों का आवंटन मंत्रियों को विभागों का आवंटन एक-दो दिन में हो सकता है। बैठक में मुख्यमंत्री ने मंत्रियों से उनकी रुचि भी जानी। उधर, बैठक के बाद कुछ मंत्रियों ने मुख्यमंत्री से अलग से मुलाकात भी की।

जेपी बिड़ला संग्रहालय में 17वीं से लेकर 19वीं सदी तक प्रचलित लघुचित्रों की छायाप्रतियों की प्रदर्शनी

भोपाल। शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। बुधवार 27 दिसंबर को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुर्नीदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी।

प्रदर्शनी—जेपी बिड़ला संग्रहालय में 17वीं से लेकर 19वीं सदी तक प्रचलित लघुचित्रों की छायाप्रतियों की प्रदर्शनी लगाई गई है। इसे सुबह



दस बजे से शाम छह बजे तक देखा जा सकता है।

माह का प्रादर्श—इंदिरा गांधी राष्ट्रीय

मानव संग्रहालय के वीथी संकुल में माह का प्रादर्श के रूप में उत्तराखंड के लोकवाद्य हुड़का को प्रदर्शित किया

सीएम डा. मोहन यादव ने दिए निर्देश

भारी वाहनों से ग्रामीण सड़कों को नुकसान न हो व्यवस्था बनाएं

भोपाल। मध्य प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत सड़कों का जाल बिछा है, लेकिन भारी वाहनों के कारण नुकसान होता है। इसे रोकने के लिए व्यवस्था बनाएं। वे सड़कें, जहां से भारी वाहन अधिक गुजरते हैं, उन्हें बीओटी (बिल्ट आउट एंड ट्रांसफर) माडल पर देने के विकल्प पर भी विचार करें।

यह निर्देश मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने मंगलवार को पंचायत एवं ग्रामीण विभाग की समीक्षा के दौरान दिए। उन्होंने अधिकारियों से पूछा कि ग्रामीण सड़कों को भारी वाहनों से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए क्या व्यवस्था है। इस पर अधिकारियों ने बताया कि अभी

ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। इसके लेकर सर्वे कराया गया है। लगभग चार सौ करोड़ रुपये का व्यय आना है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि

221 रुपये है, जिसे बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार को पत्र भेजा गया है। दो लाख 40 हजार प्रधानमंत्री आवास भी शीघ्र पूरे किए जाएं प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी तक मध्य प्रदेश में 35 लाख 60 हजार आवास पूर्ण किए गए हैं। बाकी दो लाख 40 हजार आवासों को भी शीघ्र पूरा किया जाए। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना आवास योजना

का लाभ पात्रानुसार प्रदान किया जाए। कोई भी पात्र वंचित नहीं रहे। बैठक में मुख्य सचिव वीरा राणा, अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास मलय श्रीवास्तव, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव राघवेंद्र सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

10 वीं की छात्रा ने खुद के सीने में गोली मारी, मौत

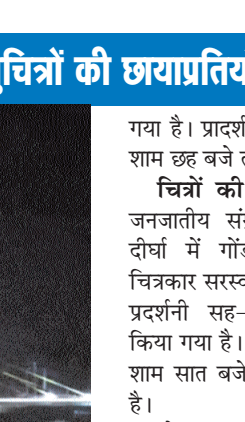
भोपाल। कोलार के आइबीडी कालोनी में रहने वाले 15 वर्षीय अंश अरजारिया ने देशी पिस्टल से खुद के सीने में गोली मारकर जान दे दी। उसने यह कदम किन कारणों से उठाया। पुलिस के उसके बारे में जानकारी जुटा रही है। पुलिस को सुसाइड नोट नहीं मिल पाया है। फिलहाल कायम कर मामला जांच में ले लिया है। पुलिस का कहना है कि स्वजनों

के बयान के बाद खुदकुशी करने के कारणों का राजफाश होगा, फिलहाल शव को हमीदिया अस्पताल की मरचुरी में पोस्टमार्टम के लिए रखवाया गया है। बुधवार को उसका पोस्टमार्टम कराया जाएगा। कोलार थाना प्रभारी आशुतोष उपाध्याय ने बताया अंश अरजारिया अपने पिता प्रदीप अरजारिया, मां और छोटे भाई के साथ रहता था। अंश दसवीं कक्षा पढ़ाई करता था। उसके पिता एक निजी आरओ कंपनी में काम करते

हैं, जबकि मां बुटिक चलाती है। छोटा भाई पढ़ाई करता है। मंगलवार शाम को करीब छह बजे अंश अपनी मां की बुटिक से घर की चाबी लेकर घर गया था। पिता अपने ड्यूटी पर थे, छोटा भाई बाहर खेलने गया था। रात करीब सात बजे

मां जब घर पहुंची तो काफी देर तक दरवाजा खुलवाने की कोशिश की, लेकिन दरवाजा नहीं खुला तो पति को सूचना दी। उसके बाद पति और आसपास के लोगों के

सहयोग से दरवाजा तोड़कर अंदर पहुंचे थे तो अंश कमरे में मृत पड़ा था। बाद में पूरे घटनाक्रम की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने घर की तलाशी ले ली है, लेकिन कोई नोट नहीं मिला है। इधर , पुलिस घटनास्थल से एक मोबाइल जब्त किया है, उसकी एफएसएल की मदद से जांच की जा रही है। टीआइ आशुतोष उपाध्याय का कहना है कि स्वजन अभी गमजदा है, उनके बयान के बाद ही कारण सामने आ सकता है।



मोहन सरकार में मालवांचल भारी मुख्यमंत्री-उपमुख्यमंत्री समेत 9 को मिला प्रतिनिधित्व



भोपाल। वर्ष 2020 में कांग्रेस के दिग्गज नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया ने जब 22 विधायकों के साथ कांग्रेस छोड़कर मध्य प्रदेश में भाजपा की शिवराज सरकार बनवाई थी, तब ग्वालियर चंबल का दबदबा था। सर्वाधिक मंत्री इसी अंचल के होने से समूचे मध्य प्रदेश का भौगोलिक और राजनीतिक संतुलन बिगड़ गया था। प्रद्युम्न सिंह तोमर, अरविंद भदौरिया, यशोधरा राजे सिंधिया, डा. नरोत्तम मिश्रा, भारत सिंह कुशवाहा, बृजेन्द्र सिंह यादव, महेंद्र सिंह सिसोदिया, ओपीएस भदौरिया, सुरेश धाकड़ मंत्री हुआ करते थे, जबकि उपचुनाव हारने वाले गिरिराज सिंह दंडोतिया, एंदल सिंह कंसाना और इमरती देवी ने कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था। लेकिन, अब अंचल से चार मंत्री ही हैं।

मालवा-निमाड़ को ज्यादा जगह- उधर, मोहन सरकार में मालवांचल भारी है। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव और उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा भी इसी अंचल से आते हैं। मंत्रिमंडल विस्तार के बाद यह संख्या नौ हो गई है। इसमें कैलाश विजयवर्गीय भी शामिल हैं। इस बार मालवा-निमाड़ को ज्यादा जगह मिलने की बड़ी वजह यह भी है कि इस अंचल की 66 विधानसभा सीटों में से भाजपा 48 यानी 72 प्रतिशत सीटों पर जीती है। पिछली बार 27 पर ही भाजपा जीत पाई थी।

संपादकीय

बिहार पर बयानबाजी और दयानिधि मारन

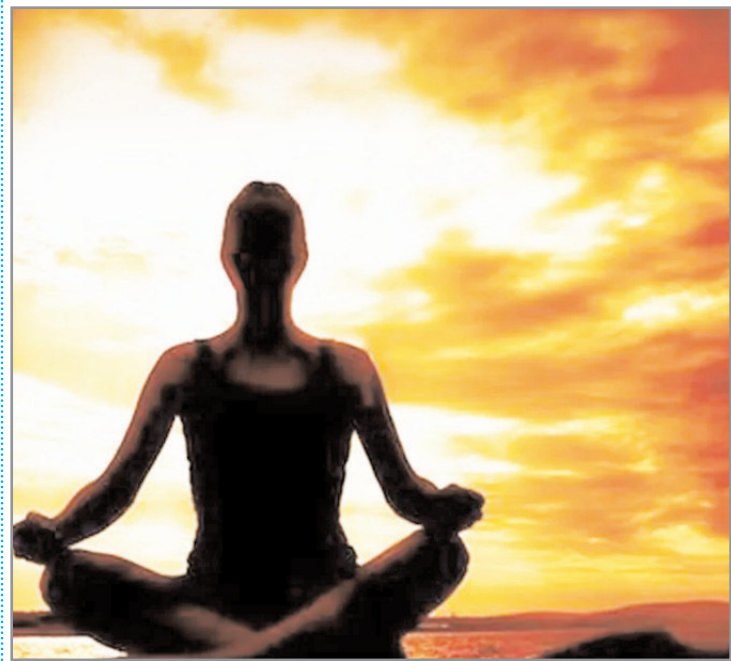
डीएमके सांसद दयानिधि मारन के शर्मनाक बयान पर बिहार के नेता उबल रहे हैं लेकिन आम बिहारी शांत है। मारन के विरोध में सामाजिक या युवा संगठनों में कोई गुस्सा नहीं है। बिहार खामोश है। जिन नेताओं के चलते बिहारियों को गाली सुननी पड़ती है, सिर्फ वे ही शोर मचा रहे हैं। आम बिहारी इसे अपनी नियति मान बैठा है। कभी महाराष्ट्र में शिवसेना और नव निर्माण सेना, तो कभी दिल्ली वाले, तो कभी तमिलनाडु के नेता, इनके अपमानजनक बोल, हिकारत भरी निगाहें और व्यवहार अब हमारे लिए नया नहीं है। बिहारी आहत होता है, लेकिन उबलता नहीं। वह इसका प्रतिकार अपनी प्रतिभा दिखा कर करता है। हां, ऐसे मामले में बिहारी राजनेताओं के बयान, पार्टी और चेहरा देखकर बदलते रहते हैं। क्योंकि उन्हें बिहारी अस्मिता नहीं, अपनी राजनीति प्यारी है। याद आते हैं वो दिन जब शिवसेना एनडीए यानी भाजपा के गठबंधन का हिस्सा थी। उस समय मुंबई में बार-बार बिहारियों के साथ दुर्व्यवहार किये जाते थे। उनके ऑटो, खोमचे उलट दिए जाते थे। नौकरियों के लिए परीक्षा देने गए बच्चों को दौड़ा -दौड़ा कर पीटा जाता था, तब भाजपा नेताओं की क्या प्रतिक्रिया होती थी ? आज जैसे ईडि गठबंधन के नेता मारन प्रकरण पर बच-बचा कर, हकला-हकला कर बोल रहे हैं, तब भाजपा नेताओं की यही स्थिति होती थी। उनके मुंह से बोल नहीं फूटते थे। आज भले ही वे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को ईडि गठबंधन से अलग होने की चुनौती दे रहे हों। उस समय राजद और एनडीए विरोधी पार्टियां जैसे कूद-कूद कर भाजपा और शिवसेना को कोसते नहीं थकती थीं, उसी तर्ज पर आज भाजपा और एनडीए के नेता कर रहे हैं। कोई अंतर है ? सिर्फ विरोध करने वाले चेहरे बदलते रहते हैं लेकिन बिहार और बिहारियों की स्थिति नहीं बदलती ! क्यों ? राजनीति का यह खेल आम बिहारी बखूबी समझता है। इसलिए वह तमाशबीन बना रहता है। वह जानता है कि अंदरखाने सब एक हैं। उन्हें सिर्फ अपनी राजनीति की चिंता है, कुर्सी की चिंता है, बिहार के विकास और बिहारी की चिंता सबसे निचले पायदान पर है। हद तो बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कर दी। उन्होंने डीएमके पार्टी को सामाजिक न्याय की पार्टी बताते हुए बहुत मीठे स्वर में, मारन का नाम लिए बिना निंदा की। अब उनकी कौन समझाए की सामाजिक न्याय का मतलब किसी को नीचा दिखाना, उसे अपमानित करना या गाली देना नहीं होता ? सामाजिक न्याय मतलब हैसियत देखे बगैर सबके साथ समान व्यवहार और समान अवसर देना है। मगर यह भी सच है कि बिहार में %भूरा बाल साफ करो% का नारा भी सामाजिक न्याय का नारा माना गया था। ऐसी पार्टियां और ऐसा नारा लगानेवाले किसका भला करेंगे ? उसी तर्ज पर तो मारन भी बोल रहे हैं तो उसकी निंदा कैसे करेंगे ? बिहार की स्थिति को देखकर मुजफ्फर रज्मी का एक प्रसिद्ध शेर कौंध जाता है – ये जन्न भी देखा है तारीख की नज्में ने/लम्हों ने खता की थी सदियों ने सज़ा पाई। रज्मी साहब उसी यूपी के थे जिस यूपी के लोगों को आज डीएमके के सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अपमानित कर रहे हैं। बिहार के लोग अगर मजदूरी करने के लिए भी बाहर जाने को विवश हैं तो इसके लिए बिहार के अदूरदर्शी और सत्ता सुख भोगने की लालसा रखने वाले राजनेता जिम्मेवार हैं। जरा नजर घुमा कर देखिये -बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह के बाद बिहार में कितने बड़े उद्योग लगे ? निराशा हाथ लगेगी। हमारी सरकारों ने, हमारे मुख्यमंत्रियों ने बिहार को रोजगार युक्त प्रदेश बनाने के लिए क्या किया ? इस स्थिति के लिए हम बिहारी भी कम जिम्मेदार नहीं है। हमने वैसे ही नेताओं को अपना रहनुमा चुना। तो धुगतैगा कौन ?

बाबा महाकाल के दरबार में श्रद्धालुओं का उमड़ा सैलाब

तीन दिन में बिक गए 85 लाख के लड्डू



पिछले सप्ताह में तीन दिन की शनिवार, रविवार और क्रिसमस की छुट्टी थी। छुट्टी के दिनों में प्रदेश एवं देश के कई राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु महाकाल दर्शन करने पहुंचे। इस दौरान शहर में सारी होटलें पूरी तरह फुल थी। शहर में हरतरफ जाम की स्थिति बनी रही। 60 हजार श्रद्धालुओं ने दर्शन किए इस दौरान 3 दिन में भगवान महाकाल की प्रसादी के 210 क्विंटल लड्डू श्रद्धालु खरीदकर ले गए। इससे महाकाल मंदिर प्रबंध समिति को 85 लाख रुपए की आय हुई। 3 दिन में 250 रुपए की रसीद कटवाकर शीघ्र दर्शन में 60 हजार श्रद्धालुओं ने दर्शन किए जिससे 1 करोड़ 50 लाख की आय मंदिर प्रबंध समिति को हुई है। 10 लाख लोगों के आने की संभावना इस दौरान लगातार भीड़ रही और साढ़े 12 लाख श्रद्धालुओं ने तीन दिन में दर्शन किए और महाकाल लोक देखा भी। इस अवधि में दान भी भरपूर प्राप्त हुआ है। अब साल के आखिरी दिनों में मंदिर में बहुत भीड़ होगी और 1 जनवरी को भी बड़ी संख्या में लोग आएंगे। पिछले वर्ष एक जनवरी को 7 लाख लोग महाकाल दर्शन के लिए आते थे। महाकाल मंदिर प्रशासक सदीप सोनी ने बताया कि इस वर्ष 10 लाख लोगों के आने की संभावना है।



अभिप्राय/धर्म/संस्था

सामयिक: पक्षकारिता और अतिवाद से बचने के लिए कुछ पैमाने तय होने चाहिए

तकनीकी क्रांति के सहारे बड़े सोशल मीडिया ने पारंपरिक मीडिया गहों को चुनौती दी है और पत्रकारिता को सहज-सुलभ बनाया है। सत्ता, कॉर्पोरेट और दूसरे प्रतिष्ठानों के जरिये सामने नहीं आ पाने वाली खबरों के लिए सोशल मीडिया उम्मीद के रूप में उभरा। उसने अपनी ताकत दिखाई भी। जब सोशल मीडिया नहीं था, तो छोटी पत्र-पत्रिकाएं वैकल्पिक मीडिया की भूमिका निभाती थीं और कॉर्पोरेट, राजनीति व सत्ता की अंधी सुरंगों में खो जाने वाले सत्त्यों और विचारों को उद्घाटित करती थीं। लेकिन सीमित संसाधन की वजह से उसकी पहुंच बेहद कम रही। मगर सोशल मीडिया ने उस वैकल्पिक मीडिया को असीमित पहुंच और प्रसार दिया। तकनीक और डाटा के जरिये आई इस ताकत को बरदान के रूप में देखा गया। लेकिन क्या सोशल मीडिया निष्पक्ष पत्रकारिता कर रही है? हाल में पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की जिस तरह कभी खबरिया चैनलों के दिग्गज रहे पत्रकारों ने सोशल मीडिया के मंचों पर रिपोर्टिंग की, एक खास पार्टी को ही वे जिस तरह जीतता हुआ दिखाते रहे, उसने सोशल मीडिया पत्रकारिता की साख पर सवाल तो खड़ा किया ही, यह भी साफ कर दिया है कि सोशल मीडिया पत्रकारिता, रिपोर्टिंग की आड़ में एक दल विशेष का प्रचार भर रहा। हिंदी के मशहूर कथाकार राजेंद्र यादव ने अपने एक इंटरव्यू



में कहा था कि साहित्य की लड़ाई हवाई हमले जैसी होती है, जिसके जरिये माहौल बनता है। कभी चुनाव विश्लेषक रहे और अब राजनेता बन गए योगेंद्र यादव भी कहते रहे हैं कि अपने आंदोलन के जरिये वह विपक्ष के लिए पिच तैयार करते हैं। लेकिन विपक्ष यानी एक खास दल उसका सियासी फायदा नहीं उठा पा रहा है। पिछले कुछ चुनावों से जिस तरह यूट्यूब, फेसबुक और दूसरे सोशल मीडिया मंचों पर रिपोर्टिंग हो रही है, वह माहौल बनाने की कोशिश ही लगती है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या सोशल मीडिया के जरिये जिस खबरनवीसी के

लोकतंत्रीकरण की उम्मीद की गई थी, वह पूरी हो पाई? निश्चित तौर पर इस सवाल का जवाब न में है। अगर एक चुनाव में ऐसा होता और सोशल मीडिया रिपोर्टिंग फेल होती, तो उसे पेशागत कमी मान लिया जाता। लेकिन ऐसा हर बार हो रहा है। कर्नाटक और हिमाचल विधानसभा चुनाव हों या गुजरात विधानसभा चुनाव, हर बार आज के सोशल मीडिया के धुरंधरों की रिपोर्टिंग पर गहराई से निगाह डालेंगे, तो पता चलेगा कि वे एक दल विशेष के लिए पिच तैयार कर रहे थे। यहां यह भी याद किया जाना चाहिए कि आज सोशल मीडिया पर जिन्होंने अपनी

पत्रकारिता का बाजार तैयार किया है, उनमें से ज्यादातर कुछ साल पहले तक खबरिया चैनलों के हीरो थे। तब भी उनका रवैया कुछ वैसा ही था। हालांकि अपने संस्थानों की नीतियों के चलते वे खुलकर किसी दल विशेष का समर्थन या विरोध नहीं कर पाते थे। सोशल मीडिया की खबरनवीसी ने पारंपरिक पत्रकारिता की ‘वाचमैन’ वाली भूमिका को ही खत्म कर दिया है। पारंपरिक पत्रकारिता कानून के दायरे में ही अपनी भूमिका निभाती है। जबकि सोशल मीडिया की पत्रकारिता में कोई कानूनी बंधन या जवाबदेही नहीं है। सोशल मीडिया की पत्रकारिता को इसीलिए अब पक्षकारिता कहा जाने लगा है। सवाल उठता है कि पत्रकारिता की आड़ में क्या किसी दल का प्रचार करना पत्रकारीय पैमाने पर जायज माना जाना चाहिए? पत्रकारिता की न्यूनतम गारंटी निष्पक्षता है। बेशक पारंपरिक मीडिया संस्थान भी पूरी तरह निष्पक्ष नहीं होते, लेकिन वे एकतरफा किसी खास दल के पक्ष में रिपोर्टिंग नहीं करते। लेकिन सोशल मीडिया की पत्रकारिता में ऐसी ही प्रवृत्ति दिखी। इसलिए वक्त आ गया है कि सोशल मीडिया की पत्रकारिता को भी विनियमित किया जाए। सोशल मीडिया मंचों को भी कानूनी तौर पर ऐसे अलगोरिदम विकसित करने के लिए तंत्र बनाना होगा, जो निष्पक्षता को बढ़ावा दे, अतिवाद को नहीं।

प्रदर्शनी: कला के अच्छे दिन

दुनिया के बड़े चित्रकारों की भारत के बाजार में बढ़ी दिलचस्पी



भारतीय समकालीन चित्रकला के संदर्भ में यह वर्ष चार विशेष कारणों से हमारी स्मृति में अपना अलग स्थान बनाता है। पहला कारण कलाओं के अंतरराष्ट्रीय बाजार से, दूसरा और तीसरा कॉर्पोरेट जगत को एक अलग पहल से और चौथा एक सरकारी उपक्रम से संबंधित है। यह सुखद संयोग था कि इस वर्ष की शुरुआत में पेरिस स्थित पंपेडू सेंटर में हमारे विश्व प्रसिद्ध चित्रकार सैयद हैदर रजा की एक पूर्वव्यापी प्रदर्शनी का आयोजन हुआ। यह प्रदर्शनी सिर्फ इसलिए महत्वपूर्ण नहीं थी कि विदेश के एक सर्वोच्च संग्रहालय में यह किसी भारतीय चित्रकार की प्रदर्शनी थी, बल्कि, इसका अभूतपूर्व महत्व यह है कि इस प्रदर्शनी के कारण वैश्विक कलाओं की दुनिया के विशेष पारिस्थितिकी तंत्र का भारतीय चित्रकारों पर अंततः ध्यानाकर्षण हुआ है। इस प्रदर्शनी का तात्कालिक परिणाम यह हुआ कि रातों-रात रजा भारतीय समकालीन कला के सबसे महंगे कलाकार बन गए। इस प्रदर्शनी के बाद एक नीलामी में रजा का एक चित्र रिकॉर्ड 55 करोड़ रुपये में बिका। अब इस साल से विदेशी बाजार का यह सिलसिला अन्य भारतीय कलाकारों के साथ भी चल पड़ा है। यह इस बात का संकेत है कि भारतीय कला, जो अभी तक मूलतः देश और विदेश में बसे भारतीय संग्राहकों के कंधों पर ही खड़ी थी, इस प्रदर्शनी के बाद अचानक नए अंतरराष्ट्रीय बाजार की हद में आकर नया विस्तार पाती दिख रही है। हालांकि, भारतीय चित्रकला का बाजार अब भी चीन, अमेरिका या यूरोप की तुलना में बहुत कम है, लेकिन कला बाजार के इस खेल में स्थापित पुराने विदेशी खिलाड़ियों की दिलचस्पी लेना भारतीय चित्रकला के आगामी आगाज का सूचक है। भारतीय कला बाजार ने कला के अंतरराष्ट्रीय सूचकांकों की दुनिया में अपनी दस्तक दे दी है। अब दूसरे पहलू पर बात करें। पिछले महीने मुंबई में एक नए कला मेले की शुरुआत हुई है। प्रसिद्ध नीलामी घर सैफ्रॉन आर्ट की पहल पर मुंबई के महालक्ष्मी रैसकोर्स में इस मेले की शुरुआत हुई है। अभी तक दिल्ली में ‘ईंडिया आर्ट फेयर’ होता था, और इसके कारण पिछले एक दशक से भारत में दिल्ली ही एक प्रकार से समकालीन कला का केंद्र था। यह सभी जानते हैं कि कुछ दशकों पहले तक एकमात्र मुंबई शहर ही कलाकारों के लिए आर्थिक दरवाजों का शहर था, बहुत से बड़े संग्राहक सबसे पहले मुंबई से ही थे। मुंबई में हुए इस बेहद सफल कला मेले ने दिल्ली की केंद्रीयता को भेद दिया है और भारत जैसे बड़े देश के कला जगत के लिए यह विकेंद्रीकरण अच्छा ही है। तीसरी बड़ी पहल मुंबई में रिलायंस ग्रुप द्वारा प्रदत्त नीता मुकेश अंबानी सांस्कृतिक केंद्र है। अंतरराष्ट्रीय मानदंडों से लैस यह केंद्र अपनी शुरुआत से ही एक अलग पहचान बनाने में सफल हुआ है। इस केंद्र की पहली प्रदर्शनी ने ही जेफ कूंस, एस्सलेम कीफर, अनीश कपूर जैसे दुनिया के अनेक बड़े कलाकारों को भारत की ओर मुड़ने के लिए बाध्य कर दिया है। यह केंद्र एक प्रकार से भारत में ही भारत को दुनिया से जोड़ने की एक कोशिश है, यह महत्वपूर्ण है। दिल्ली में किरण नादर संग्रहालय का नया परिसर भी भारतीय कला जगत में नया अध्याय जोड़ने वाला है, यह संभवतः किसी कॉर्पोरेट द्वारा संचालित आधुनिक कला का सबसे बड़ा संग्रहालय होगा। वहीं, कोच्चि बिनाले ने अगर दक्षिण और दिल्ली आर्ट फेयर ने उत्तर भारत को ठिकाना बनाया है, तो ऐसे में इन दोनों उपक्रमों से मुंबई को भी अपनी खोई उपस्थिति वापस मिली है। हालांकि भारत जैसे विशाल देश के लिए यह भी कम है, लेकिन उम्मीद है कि आने वाले कुछ वर्षों में बंगाल और गुजरात में भी कॉर्पोरेट जगत की कला-केंद्रित कुछ बड़ी पहल हो सकती है। चौथा, भारत के संस्कृति मंत्रालय की पहल से इस साल से दिल्ली के लाल किले में वास्तु शास्त्र बिनाले की शुरुआत हुई है। वेनिस, शिकागो, इस्तांबुल, हांगकांग और लिस्बन जैसे आर्किटेक्चर बिनाले की तर्ज पर अब सरकारी स्तर पर भारत में भी एक बिनाले की कल्पना की गई है। हालांकि आनन-फानन में किया गया यह बिनाले अपनी परिकल्पना और कार्यान्वयन के स्तर पर अपने पहले संस्करण में कमजोर था, फिर भी इस बिनाले का स्वागत होना चाहिए। संभवतः, आने वाले समय में भारत, जो दुनिया भर में अपने वास्तु-वैविध्य के कारण भी जाना जाता है, इस बिनाले के निमित्त और उसकी परिकल्पना के सही संचालन से एक नई पहचान पा सके।

संगीत- जीवन में लय लौटी, सुर-ताल की शक्ति ने महामारी को किया अशक्त



कोरोना के बाद मन में घर कर गई एक प्रकार की दहशत से उबरने की ताकत हमें संगीत ने ही दी है। दूसरे शब्दों में कहें तो इस महामारी के बाद संगीत की शक्ति एक बार फिर सामने आई। पहले वर्चुअली और फिर फिजिकली आयोजन होने शुरू हुए। 2023 में संगीत के कार्यक्रम तकरीबन पहले की तरह होने लगे। संगीत के रसिकों, प्रेमियों और जानकारों ने नए-नए प्रयोग किए। 2023 में एक नया सिलसिला भी शुरू हुआ। संगीत के जो बड़े-बड़े फनकार रहे हैं, उनकी जन्म सदी पर देश भर में संगीत समारोह आयोजित किए गए। मशहूर तबला वादक पंडित किशन महाराज जी और प्रख्यात शास्त्रीय गायक पंडित कुमार गंधर्व साहब की जन्म शताब्दियों पर पूरे देश में अनेक स्थानों पर संगीत उत्सव आयोजित हुए। ‘सप्तक फेस्टिवल’ में पूरा एक दिन उस्ताद अमीर खान साहब को समर्पित किया गया है। इससे पहले किसी कलाकार को स्मृति में इतने व्यापक रूप में संगीत के कार्यक्रम आयोजित नहीं हुए। यह सिलसिला 2024 में भी यों ही चलते रहना चाहिए। यह हम कलाकारों का भी कर्तव्य है और

रसिकों का भी। जहां तक परिवर्तन का सवाल है तो हर 25, 30, 40 साल में बदलाव आता ही है। हमारे जमाने में दुमरी, दादरा का बहुत जोर था, अब लोग हर तरह का संगीत सुनना चाहते हैं। विदेश के लोग भारतीय शास्त्रीय संगीत सुनना पसंद कर रहे हैं, हमारे यहां फ्यूजन सुना जा रहा है। यह स्वाभाविक है। रिश्ता यानी लय तो यूनिवर्सल है। वह पश्चिम में भी उतने ही बीट्स की है और हिंदुस्तानी संगीत में भी उतने ही बीट्स की। बस, भाषा का फर्क है, अभिव्यक्ति वही है। मैं जिस तबले को जीता हूं, उसमें भी सभी घरानों के कलाकार नित नए प्रयोग कर रहे हैं। लगियां हमेशा दुमरी, दादरा के साथ बजती हैं, लेकिन मेरे पिता जी उस्ताद हशमत अली खान साहब ने एक नया प्रयोग करते हुए उनको सोलो वादन में बजाया है। सोलो में कायदे के साथ लगियां बजाने का यह अनूठा प्रयोग उन्होंने इसलिए किया, ताकि लगियां भी तबले के रिकॉर्ड में रहें और श्रोता भी जुड़े रहें। उस्ताद जाकिर हुसैन ने तबले में सारंड को लेकर बहुत प्रयोग किए हैं, लेकिन यह भी सच है कि आज से 50 साल पहले पंडित कंटे

महाराज जी, मेरे दादा मुहम्मद शफी खान साहब या नन्थू खान साहब माइक्रोफोन के बिना तबला वादन करते थे। अगर उनके जमाने में इतनी समृद्ध तकनीक होती तो शायद वे भी कुछ और नए प्रयोग कर चुके होते। हमारे बुजुर्गों ने तबले को हर्ष-उल्लास का वाद्य माना है। आप होली के गीत गाएंगे, तो उसमें जो ठेका बजता है, उससे लोग नाचने लगते हैं। अगर दुमरी, कजरी, चैती में संगत करेंगे, तो तबला उनका माहौल तैयार कर देगा। फिल्मी गाने के साथ तबला बजाएंगे, तो वह वैसा वातावरण रच देगा। यह सदाबहार साज है। ताल भले न समझ आए, लेकिन श्रोताओं के हाथ-पैर थिरकने लगते हैं। पंडित बिरजू महाराज का शोध है कि हर चीज में लय है। तो हमारे यहां रिश्ता तो जन्मजात है। इसलिए अगर हम नए साल में संगीत से जुड़े रहेंगे, सुर-लय-ताल से जुड़े रहेंगे, तो हमारी बहुत-सी दिक्कतें, तनाव दूर हो जाएंगे। हम दुनियावी परेशानियों से मुक्त हो जाएंगे। इसलिए संगीत से जुड़े रहें, अच्छा संगीत सुनें और अच्छा सोचें।

ब्रह्म मुहूर्त में जरूर करें ये काम

बदल जाएगी जीवन की दशा

ब्रह्मा तीनों लोकों के जनक हैं। सृष्टिकर्ता आधार चक्र या मूलाधार चक्र और श्रोणि क्षेत्र पर शासन करता है जिसमें जन्मांग होते हैं। 24 घंटों की अवधि को 30 मुहूर्तों में विभाजित किया गया है, जिनमें से प्रत्येक की अवधि 48 मिनट है। सूर्योदय से पहले दो मुहूर्त होते हैं, जिनमें से पहले को ब्रह्म मुहूर्त कहा जाता है - ब्रह्मा का काल। मानव प्रजनन प्रणाली के संबंध में ब्रह्मा की सृजन क्षमता से मेल खाते हुए, ब्रह्म मुहूर्त का शाब्दिक अर्थ सृजन की अवधि है। ब्रह्मा कमल से प्रकट हुए हैं। उच्च सम्मान में रखा जाने वाला कमल स्वयं पूजा के योग्य वस्तु है। यह कीचड़ और गंदगी से ऊपर उठता है, यह शुद्ध और अप्रदूषित रहता है। जो व्यक्ति ब्रह्म मुहूर्त में उठता है वह कमल के समान हो जाता है - वह भौतिकवाद, इच्छाओं और जुनून के कीचड़ से ऊपर उठता है - शुद्ध और निर्मल हिंदू धर्म में कुछ ऐसे काम में बताए गए हैं, जिन्हें ब्रह्म मुहूर्त में करने से साधक को आर्थिक लाभ प्राप्त हो सकता है।ब्रह्म मुहूर्त का समय यहां ब्रह्म का अर्थ है- परमात्मा, ऐसे में ब्रह्म मुहूर्त का अर्थ हुआ%परमात्मा का समय%। ब्रह्म मुहूर्त का सामान्य समय आमतौर पर सुबह 4:24-5:12 बजे तक माना जाता है और यह सूर्योदय और स्थानों के आधार पर मौसम के अनुसार बदलता रहता है। सभी 30 मुहूर्तों में से, ब्रह्म मुहूर्त को क्या खास बनाता है? मानव शरीर पांच तत्वों से बना है- पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश; और तीन दोष- वात, पित्त और कफ।



सितारों संग पार्टी की झलक आई सामने

सलमान ने इस खास अंदाज में मनाया अपना 58वां बर्थडे



बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान आज अपना 58वां जन्मदिन मना रहे हैं। आज ही के दिन सलमान की भतीजी आयत का भी जन्मदिन होता है, जो अर्पिता खान शर्मा और आयुष शर्मा की बेटी हैं। इस मौके पर देर रात सलमान खान ने अपने परिवार और इंडस्ट्री के कई सितारों की मौजूदगी में अपना जन्मदिन मनाया। पार्टी में सितारों के साथ सलमान की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है।

पार्टी का वीडियो वायरल इस दौरान पार्टी में भांजी आयत के साथ केक कटिंग का वीडियो भी सामने आया है, जिसे फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। अरबाज खान, अरहान खान, हेलेन, अलवीरा खान अग्निहोत्री, आयुष शर्मा, अर्पिता खान शर्मा, लूलिया वूटर के अलावा पार्टी बॉबी देओल समेत कई अन्य करीब लोग मौजूद रहें। एनिमल स्टार बॉबी देओल ने अपने इंस्टाग्राम पर सलमान खान के साथ पार्टी के दौरान की प्यारी तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर में बॉबी देओल सलमान के गाल पर किस करते हुए नजर आ रहे हैं। पोस्ट के कैप्शन में बॉबी ने लिखा, %मामू आई लव यू. इस पोस्ट को भी फैंस खूब पसंद कर रहे हैं।

सोशल मीडिया फैंस दे रहे जन्मदिन की बधाई गौरतलब है कि अपने चहेते सुपरस्टार सलमान खान का बर्थडे उनके फैंस के लिए किसी त्योहार से कम नहीं होता। सोशल मीडिया पर सलमान के फैंस द्वारा उन्हें जन्मदिन की खूब बधाइयां मिल रही हैं, जिसमें इंडस्ट्री के दिग्गजों से लेकर यंग स्टार्स का नाम भी शामिल हैं। इंडस्ट्री में लगातार तीन दशक से सक्रिय सलमान खान ने अपने करियर में कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी, अपनी जबरदस्त फिल्मों से सलमान ने बॉक्स ऑफिस के रिकॉर्ड तोड़ें। इन फिल्मों को न सिर्फ दर्शकों ने बल्कि समीक्षकों ने भी खूब सराहा। दिवाली के मौके पर इस साल रिलीज सलमान और कैटरिना कैफ की फिल्म टाइगर 3 भी ब्लॉकबस्टर रही। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की।



डंकी-सलार की रफ्तार हुई धीमी

एनिमल, सैम बहादुर के शानदार प्रदर्शन के बाद अब दिसंबर महीने में डंकी और सलार के बीच टक्कर देखने को मिल रही है। दोनों ही फिल्मों में अब तक बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कारोबार किया है। शाहरुख खान की फिल्म लोग परिवार के साथ देखने के लिए पहुंच रहे हैं। वहीं, एक्शन फिल्मों के शौकीन दर्शक प्रभास की फिल्म देखने के लिए सिनेमाघरों का रुख कर रहे हैं। दोनों फिल्मों के अलावा इस महीने एकामैत्र 2 भी रिलीज हुई है, लेकिन उसका प्रदर्शन अब तक उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है। आइए जानते हैं कि मंगलवार के दिन किस फिल्म ने कितना कलेक्शन किया।

डंकी— निर्देशक राजकुमार हिरानी अपनी शानदार फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। उनकी बनाई हर फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अब तक सफल साबित हुई है। यही वजह है कि जब उन्होंने शाहरुख के साथ फिल्म बनाने की घोषणा की तो लोगों की उत्सुकता काफी ज्यादा बढ़ गई। 21 दिसंबर को रिलीज हुई डंकी का बॉक्स ऑफिस पर अब तक का प्रदर्शन अच्छा रहा है। वीकएंड के बाद भी टिकट खिड़की पर फिल्म मजबूती से टिकी है। मंगलवार को डंकी ने 10.25 करोड़ का कलेक्शन किया। इसके साथ ही फिल्म का कुल बिजनेस अब 140.2 करोड़ हो गया है।

सलार—केजीएफ फेम निर्देशक प्रशांत नील और सुपरस्टार प्रभास की फिल्म सलार का लोगों को लंबे समय से इंतजार था। ओपनिंग डे पर फिल्म ने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। क्रिसमस डे पर फिल्म ने 46.3 करोड़ का बिजनेस किया था।

फिल्मों का कैसा रहा हाल ?



वहीं, मंगलवार को फिल्म ने 23.50 करोड़ का कलेक्शन किया। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई अब 278.90 करोड़ हो गई है।

एकामैत्र 2—एकामैत्र एंड द लॉस्ट किंगडम भारत में अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रही है। फिल्म को डंकी और सलार की वजह से काफी नुकसान झेलना पड़ा है। बीते दिन एकामैत्र 2 ने टिकट खिड़की पर महज 87 लाख का कारोबार किया। इसके साथ ही फिल्म का कुल कलेक्शन 13.51 करोड़ हो गया है।

एनिमल— एक दिसंबर को रिलीज हुई एनिमल बॉक्स ऑफिस पर बंपर कमाई करने में सफल रही है। हालांकि, वक्त के साथ अब इसकी रफ्तार सुस्त पड़ चुकी है। मंगलवार को फिल्म ने एक करोड़ का कलेक्शन किया। अब फिल्म की कुल कमाई 539.02 हो चुकी है।



बॉयफ्रेंड से शादी रचाने वाली खबरों पर श्रुति हासन ने तोड़ी चुप्पी

साउथ की दिग्गज अभिनेत्री श्रुति हासन अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी चर्चा में रहती हैं। अभिनेत्री आर्टिस्ट शांतनु हजारीका को डेट कर रही हैं। अब हाल ही में, ओरहान अवात्रामणि यानी ओरी ने कपल को लेकर कुछ ऐसी बात कह दी है, जिसके बाद सोशल मीडिया पर हंगामा होने लगा है। अब अभिनेत्री ने आगे आकर खुद इस बात पर सफाई दी है। जानते हैं कि मामला क्या है। अभिनेत्री श्रुति हासन लंबे समय से अपने बॉयफ्रेंड शांतनु हजारीका के साथ लिव इन में रह रही हैं। हाल ही में, ओरी ने अपने इंस्टाग्राम पर आस्क मी एनीथिंग सेशन रखा था, जिसमें एक यूजर ने पूछा कि क्या किसी सेलिब्रिटी ने फोटो खिंचवाने के लिए उन्हें एडिटडूड दिखाया है तो इसपर ओरी ने कहा कि श्रुति हासन और आगे उन्होंने अभिनेत्री के बॉयफ्रेंड को उनका पति कह दिया, जिसके बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि श्रुति ने अपने बॉयफ्रेंड से गुपचुप शादी रचा ली है। अब अभिनेत्री ने इस बयान को लेकर सफाई दी है।

नोट साझा कर ओरी को लताड़ा

अभिनेत्री ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर लिखा, तो, मैं शादीशुदा नहीं हूं। मैं ऐसी इंसान हूं, जो हर चीज के बारे में खुलकर बात करती है। मैं इसे क्यों छिपाऊंगी? लोल! इसलिए जो लोग मुझे बिल्कुल नहीं जानते हैं, कृपया शांत हो जाएं। लोगों के मन में गलत धारणा न बनावें। आप के एक गलत संबोधन से हमारी छवि भी खराब हो सकती है। आस्क मी एनीथिंग सत्र के दौरान, ओरी से एक यूजर ने ने पूछा कि क्या अतीत में किसी सेलिब्रिटी ने कभी उनके प्रति असभ्य व्यवहार किया था। ओरी ने जवाब देते हुए कहा, श्रुति हासन। पोज देने के लिए नहीं, क्योंकि मैंने उससे कभी नहीं पूछा, लेकिन एक कार्यक्रम में वह मेरे साथ काफी अलग थीं। मैं उन्हें जानता भी नहीं! बहुत बुरा लगा, लेकिन शायद कुछ गलतफहमी थी, क्योंकि मेरे उनके पति के साथ अच्छे संबंध हैं और मैं उन्हें पसंद करता हूं। इस बीच, श्रुति ने नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में नॉर्थ ईस्ट फेस्टिवल में दर्शकों के लिए एक शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पिछले सप्ताह सलार भाग 1= द सीजफायर की रिलीज के साथ व्यावसायिक सफलता का भी स्वाद चखा, जिसमें प्रभास और पृथ्वीराज सुकुमारन भी मुख्य भूमिका में हैं।



ये टीवी स्टार्स झेल चुके हैं कास्टिंग काउच का दर्द



कास्टिंग काउच कोई नया शब्द नहीं है, और टेलीविजन जगत के कई सेलेब्स ने भी इसे लेकर अपने अनुभव के बारे में खुलकर बात की है। अप्रिय प्रगति से लेकर झूठे वादों तक, इन सेलेब्स ने अपनी भयानक कहानियों को याद किया और बताया कि कैसे वे इसका शिकार होने से पहले बच निकले थे। आइए इन सितारों की लिस्ट पर गौर फरमा लेते हैं—टीवी की मशहूर बहुओं में से एक दिव्यांका त्रिपाठी को भी ऐसी ही मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। उन्हें एक अनुचित अनुरोध का सामना करना पड़ा और एक डिजिटल पोर्टल से बात करते हुए दिव्यांका ने कहा, एक समय था जब पैसा सीमित था। मुझे अपने खर्च, ईएमआई आदि का भुगतान करना पड़ता था। बहुत दबाव था। तभी एक ऑफर आता है कि आपको इस निर्देशक के साथ रहना होगा जिससे आपको एक बड़ा ब्रेक मिलेगा। लेकिन मुझे ऐसा क्यों करना चाहिए? इसे इस तरह बेचना जैसे कि इससे मेरी जिंदगी बन जाएगी, और बाकी सभी लोग ऐसा कर रहे हैं। दिव्यांका ने एक घटना का भी खुलासा किया जहां उन्होंने एक प्रोडक्शन असिस्टेंट की बात ठुकरा दी थी, जिसके बाद उसने उनसे बदला लेने की कोशिश की थी। उसने प्रतिशोध की कार्रवाई के रूप में उनके बारे में गलत जानकारी फैलाने का सहारा लिया। रतन राजपूत ने कास्टिंग काउच को याद कर साझा किया था, मैंने ओशिवारा में एक कास्टिंग एजेंट के लिए ऑडिशन दिया, जिसने कहा कि निर्देशक मुझसे बात करना चाहता है। इसलिए, मैं अपने एक दोस्त के साथ पास के एक कैफे में निर्देशक से मिली। मुझे शीतल पेय की पेशकश की गई, जिसे मैंने पीने से इनकार कर दिया, लेकिन उन्होंने मुझे मना लिया और मैंने कुछ घूंट पी ली। मैं वहां से चली गई, और कुछ ही मिनटों में मुझे ऑडिशन के दूसरे दौर के लिए कॉल आया। मैं अपने राखी भाई को साथ लेकर तुरंत इसके लिए गई। जिस ऑफिस में मुझे ऑडिशन देना था वहां कुछ लोग थे, लेकिन यह थोड़ा गड़बड़ लग रहा था, इसलिए मैं वापस लौट आई। एक घंटे बाद, मुझे चक्कर आने लगे और मेरा अपने शरीर पर कोई नियंत्रण नहीं रह गया। मुझे यकीन था कि शीतल पेय में कुछ मिलाया गया था। सौभाग्य से, मैं उस समय तक घर पहुंच चुकी थी। अनुपमा में अपनी भूमिका के लिए जानी जाने वाली मंदालासा शर्मा को एक समय पर अनुचित समर्थन का सामना करना पड़ा था, लेकिन उन्होंने डढ़ता से मना कर दिया और प्रोजेक्ट को छोड़ने का फैसला लिया।

अगर वे खुश हैं तो...

अरबाज के दूसरे निकाह पर पिता सलीम खान ने चुप्पी तोड़कर दिया बड़ा बयान

अरबाज खान हाल ही में दूसरी बार दूल्हा बने हैं। अभिनेता ने रविवार को इंटिमेट सेरेमनी में मेकअप आर्टिस्ट शूरा खान से निकाह किया। यह फक्शन अभिनेता-निर्माता की बहन अर्पिता खान के घर पर हुआ, जिसमें सलमान खान, सोहेल खान, अरबाज के बेटे अरहान खान, माता-पिता सलीम और सलमा खान समेत उनकी भतीजी और भतीजे सहित पूरा परिवार मौजूद था। वहीं, अब अरबाज के दूसरे निकाह पर पिता सलीम खान ने चुप्पी तोड़ी है। सलीम खान ने कहा है कि दोबारा शादी करना कोई गुनाह नहीं है। अरबाज के निकाह पर बोले सलीम खान उन्होंने शादी करने का फैसला किया। मेरे हिसाब से, ये कोई गुनाह नहीं है। मैं उनके लिए खुश हूं और मैंने दूल्हा-दुल्हन को अपना आशीर्वाद दिया है। इसके अलावा, जब अनुभवी पटकथा लेखक से पूछा गया कि क्या शादी के आसपास कोई बातचीत हुई थी, तो सलीम खान ने कहा, मुझे नहीं लगता कि चर्चा को कोई जरूरत थी। वह युवा, शिक्षित और परिपक्व हैं, और अपने फैसले खुद ले सकते हैं।

अनुमति की जरूरत नहीं- सलीम खान— सलीम खान ने साफ किया कि अरबाज को उनसे अनुमति लेने की कोई जरूरत नहीं है। पटकथा लेखक के लिए उनके बेटे की खुशी सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। खान ने कहा, अगर वे खुश हैं तो और कुछ मायने नहीं रखता। उन्होंने सिर्फ बताया कि वह शादी करने जा रहे हैं, और मैंने कहा कि ठीक है। उनके मुताबिक, किसी की जिंदगी में दखल न देना ही बेहतर है क्योंकि इससे परेशानी होती है। अरबाज खान की लव लाइफ इस बीच, अरबाज खान ने 1998 में मलाइका अरोड़ा से पहली शादी की थी। उनका एक 21 वर्षीय बेटा अरहान खान है। अरहान ने 24 दिसंबर को अरबाज और शूरा खान की शादी में परफॉर्म भी किया था। 2017 में मलाइका से तलाक के बाद, अरबाज ने जॉर्जिया एंड्रियाना को डेट करना शुरू किया, जिन्होंने इस महीने की शुरुआत में अपने ब्रेकअप को पुष्टि की।

सिंगल कॉलम

शुरू हुई यूपी पुलिस में 600000+ पदों पर आवेदन प्रक्रिया, ये रहा डायरेक्ट लिंक



देशभर के लाखों युवा यूपी में पुलिस भर्ती का इंतजार कर रहे थे। आज यह इंतजार आखिरकार खत्म हुआ। आज, यानी 27 दिसंबर से यूपी पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती 2023 के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन करने के इच्छुक उम्मीदवार आज से आधिकारिक वेबसाइट uppbpb.gov.in पर जाकर यूपी पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती के लिए अर्नाई कर सकते हैं इस भर्ती अभियान के माध्यम से कुल 60244 रिक्तियां भरी जाएंगी। अधिसूचना में कहा गया है कि आवेदन करने की अंतिम तिथि 16 जनवरी, 2024 है। आवेदन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 18 जनवरी, 2024 है। जल्द से जल्द करें आवेदन इच्छुक उम्मीदवार जल्द से जल्द आवेदन कर लें, क्योंकि यह काफी बड़ी भर्ती है। इसके लिए लाखों की संख्या में उम्मीदवार आवेदन करेंगे, ऐसे में पोटल का काम बाधित हो सकता है। कुल 60,244 पदों में से सामान्य वर्ग के लिए 24102, ईडब्ल्यूएस के लिए 6024, ओबीसी के लिए 16264, एमसी के लिए 12650 और एसटी उम्मीदवारों के लिए 1204 रिक्तियां हैं। आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को 400 रुपये के आवेदन शुल्क का भुगतान करना होगा। चयन प्रक्रिया में लिखित परीक्षा और पीएसटी/पीईटी शामिल है। परीक्षा की अवधि दो घंटे होगी। सीएम योगी ने अपने एक्स अकाउंट से इस बात की घोषणा करते हुए कहा कि युवाओं के हितों एवं उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए आपकी सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में यूपी पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस के पद पर भर्ती हेतु जारी प्रक्रिया में सभी वर्गों के अभ्यर्थियों के लिए उच्चतम आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट देने का निर्णय लिया गया है।

कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेस टेस्ट पीजी के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू



नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने CUET PG 2024 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इच्छुक उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट pgcuetsamarth.ac.in पर जाकर 24 जनवरी, 2024 तक अर्नाई कर सकते हैं। उम्मीदवारों को सीयूईटी पीजी आवेदन शुल्क का भुगतान ऑनलाइन मोड में करना होगा लगभग 195 सीयूईटी पीजी में भाग लेने वाले विश्वविद्यालय सीयूईटी पीजी प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश की पेशकश करेंगे। केंद्रीय विश्वविद्यालयों और अन्य भाग लेने वाले विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए CUET PG 2024 परीक्षा 11 से 28 मार्च, 2024 तक आयोजित की जाएगी। सीयूईटी पीजी परीक्षा ऑनलाइन (कंप्यूटर-आधारित) प्रारूप में तीन पालियों में आयोजित की जाएगी। पाली 1 सुबह 8:30 से 10:30 बजे तक, पाली 2 दोपहर 12:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक और शिफ्ट 3 से 3:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक आयोजित की जाएगी। सीयूईटी पीजी में 100 बहुविकल्पीय प्रश्न (एमसीकेयू) शामिल होंगे जो उम्मीदवारों की व्यापक क्षमता, सामान्य जागरूकता, गणितीय योग्यता और विश्लेषणात्मक कौशल का आकलन करेंगे। सीयूईटी पीजी पंजीकरण 2024- आवेदन करने के चरण जो उम्मीदवार सीयूईटी पीजी 2024 परीक्षा के लिए आवेदन करना चाहते हैं, उन्हें सफलतापूर्वक पंजीकरण करने के लिए नीचे दिए गए चरणों का पालन करना होगा। वेबसाइट पर खुद को रजिस्टर करें। जैनरेट किए गए क्रेडेंशियल के साथ साइन इन करें और सीयूईटी पीजी आवेदन पत्र भरने के लिए आगे बढ़ें। सभी दस्तावेज निर्धारित प्रारूप में अपलोड करें और आवेदन शुल्क का भुगतान करें। विवरण सबमिट करें और अपने डिवाइस पर पुष्टिकरण पृष्ठ डाउनलोड करें।

कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी ने जारी की ग्रेजुएशन एजाम की डेटशीट, देखें और तैयारी में जुटें

हरियाणा स्थित कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने अप्रैल-मई 2020 में होने वाली सातक स्तर की परीक्षाओं के लिए डेटशीट जारी कर दी है। ये जानकारी परीक्षा नियंत्रक डॉ. हुकम सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि सातक स्तर की आयोजित होने वाली परीक्षाएं बीए व बीएससी जनरल पार्ट वन व ग्री के प्राइवेट, पत्राचार व कंपार्टमेंट विद्यार्थियों के लिए परीक्षा 8 अप्रैल से 11 मई के बीच, बीए व बीएससी जनरल पार्ट टू के विद्यार्थियों के लिए 9 अप्रैल से 14 मई के बीच आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि बीकॉम प्रथम, द्वितीय व अंतिम वर्ष के प्राइवेट, पत्राचार व कंपार्टमेंट विद्यार्थियों के लिए 8 अप्रैल से 6 मई के बीच परीक्षाएं आयोजित की जाएगी। परीक्षा नियंत्रक डॉ. हुकम सिंह ने बताया कि शास्त्री पार्ट वन, टू व ग्री की परीक्षाएं 8 अप्रैल से 5 मई के बीच तथा ओटी,एमआईएल ज्ञानी, प्रभाकर, साहित्याचार्य पार्ट वन व टू, विशारद पार्ट वन व टू की परीक्षाएं 8 अप्रैल से 4 मई के बीच आयोजित की जाएगी। वहीं सीपीएड, डीपीएड पार्ट वन एंड टू तथा डिप्लोमा इन सैक्टेरियल प्रेक्टिस वार्षिक की परीक्षाएं 8 अप्रैल से 27 अप्रैल तक आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों के हितों को देखते हुए समय से पहले डेटशीट जारी की ताकि विद्यार्थियों को पर्याप्त समय मिल सके। इसके साथ उन्होंने बताया कि इन सभी परीक्षाओं की सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

नई फसल से पहले मसूर की कीमतों में सुधार, डालर चने में 100 रुपये बढ़े

इंदौर। मसूर दाल में भी उपभोक्ता पूछताछ बाजार में आने से मिलर्स की भी मांग मंडियों में आना शुरू हो गई है। इसके चलते मसूर के दामों में मजबूती की उम्मीद की जा रही है। व्यापारियों का कहना है कि देशभर में मसूर दाल में ताजा मांग है इस बीच लाल सागर में समुद्री लुटेरों के बढ़ते दखल के बाद कई शिपिंग लाइन द्वारा अपने आपरेशन को अस्थायी रोक दिए जाने की चर्चा है। कई शिपिंग लाइन को रास्ता बदलना पड़ा है। इससे फ्रेट के साथ-साथ टॉजिट समय भी बढ़ा है। देश में मसूर की बोवनी लगभग पूरी हो चुकी हैं और इस सीजन में बोवनी लगभग स्थिर बताई जा रही है। मध्य प्रदेश में मसूर की बोवनी पिछले साल की तुलना अधिक बताई जा रही है। कई जिलों में रोग लगने की समस्या की रिपोर्ट मिल रही। इस बीच सरकार ने भी पांच लाख टन आयातित मसूर बफर के लिए खरीद लिया है। इसके बावजूद घरेलू बाजारों में मांग का दबाव बढ़ने पर मसूर में 100-200 रुपये की और तेजी देखने को मिल सकती है। लेकिन नई फसल सामने होने से ज्यादा तेजी भी नजर नहीं आ रही है। इंदौर में मसूर 5900 रुपये प्रति क्विंटल तक बोली जा रही है। डालर चने में घरेलू पूछताछ आने से भाव में आंशिक तेजी रही। डालर चना कटेनर में 100 रुपये प्रति क्विंटल तक उछल गया। तुवर दाल में ग्राहकी कमजोर होने से 200 रुपये की मंदी रही। अन्य दाल-दलहन में कारोबार सामान्य रहा। भाव में स्थिरता रही। कटेनर में डॉलर चना 40/42 15700, 42/44 15500, 44/46 15300, 58/60 13800, 60/62 13700, 62/64 13600 रुपये क्विंटल रह गया। दलहन के दाम - चना कांटा 5875-5900, विशाल 5700, डंकी 5300-5400, मसूर 5900, तुवर महाराष्ट्र सफेद 9300-9700, कर्नाटक 9800-10000, निमाड़ी तुवर 8000-8700, मूंग



8500, बारिश का मूंग नया 9000-9600, एवरेज 7000-8000, उड़द बेस्ट 8200-8700, मीडियम 7000-7700, हल्का उड़द 3000-5000, गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, मालवराज 2500-2525, मालवराज बेस्ट 2525-2550, पूर्णा 2600-2925 रुपये क्विंटल के भाव रहे। दालों के दाम - चना दाल 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बेस्ट 7800-7900, मसूर दाल 7400-7500, बेस्ट 7600-7700, मूंग दाल 9900-10000, बेस्ट 10100-10200, मूंग मोगर 10500-10600, बेस्ट 10700-10800, तुवर दाल 11300-11400, मीडियम 12400-12500, बेस्ट 13400-13600,

ए. बेस्ट 14500-14600, क्वाइटरोज तुवर दाल 15000, उड़द दाल 10600-10700, बेस्ट 10800-10900, उड़द मोगर 11100-11200, बेस्ट 11300-11400 रुपये प्रति क्विंटल। इंदौर चावल भाव - दयालदास अजीतकुमार छावनी के अनुसार बासमती (921) 11500-125500, तिवार 9500-10000, बासमती दुबार पोनिया 8500-9000, मिनी दुबार 7500-8000, मोगरा 4200-6500, बासमती सेला 7000-9500 कालीमुंछ डिनरकिंग 8500, राजभोग 7500, दुबराज 4500-5000, परमल 3200-3400, हंसा सेला 3400-3600, हंसा सफेद 2800-3000, पोहा 4300-4700 रुपये क्विंटल।

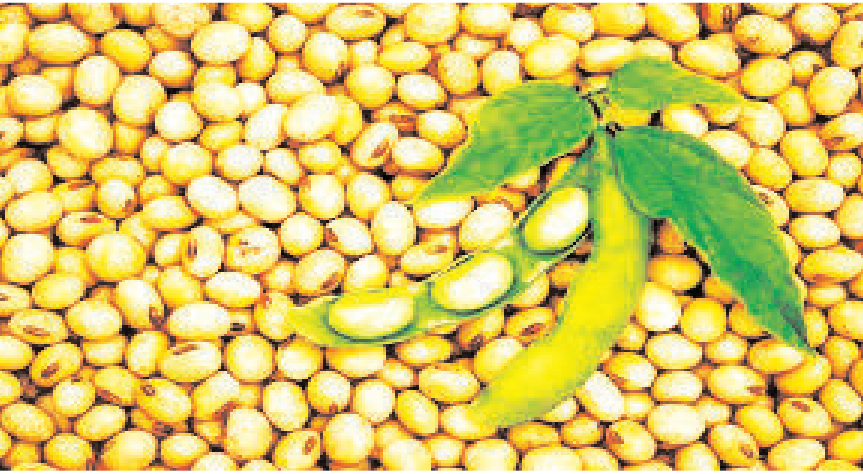
एसपीयू के 7वें दीक्षांत समारोह में किया गया छात्रों को सम्मानित, मेधावियों को किए गए मेडल वितरित

सिक्रिम यूनिवर्सिटी (एसपीयू) के 7वें दीक्षांत समारोह के दौरान विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर शैक्षणिक कार्यक्रमों और डिप्लोमा मॉन पूरा कर चुके विश्वविद्यालय के 129 छात्रों को डिग्री वितरित की गई। इस कार्यक्रम का आयोजन चिंतन भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सिक्रिम के माननीय राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य थे। इस दौरान छात्रों को विभिन्न विषयों में 8 स्वर्ण पदक, 7 रजत पदक, 5 कांस्य पदक प्रदान किए गए। शिक्षा विभाग की सचिव सुश्री सुमिता प्रधान और बीओएम के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और सदस्य डॉ. विकास चड्ढा सम्मानित अतिथि थे। इस अवसर पर कुलपति प्रो. एच.एस.यादव, प्रतिकुलपति प्रो.जसवंत सोखी, कुलसचिव प्रो.रमेश कुमार रावत ने सभी अतिथियों का स्वागत खादा, गुलदस्ता एवं स्मृति चिन्ह देकर किया। एसपीयू के सभी घटक कॉलेजों अर्थात् सिक्रिम प्रोफेशनल कॉलेज ऑफ अलाइड हेल्थ साइंसेज (एसपीसीएचएस) के 129 छात्र; सिक्रिम प्रोफेशनल कॉलेज ऑफ फार्मसी (एसपीसीपीपी); सिक्रिम प्रोफेशनल कॉलेज ऑफ नर्सिंग (एसपीसीएन); सिक्रिम प्रोफेशनल कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस (एसपीसीएसएस) को डिग्री दी गई। विभिन्न पाठ्यक्रमों के छात्रों में से टॉपर्स को 8 स्वर्ण पदक, 7 रजत पदक और 5 कांस्य पदक से सम्मानित किया गया। दीक्षांत भाषण में सिक्रिम के माननीय राज्यपाल, श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने पदक और डिग्री पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और स्नातक छात्रों को उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया और उन्हें राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया।

माननीय राज्यपाल ने समाज की सेवा के लिए वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए नई शिक्षा नीति, एनईपी - 2020 को लागू करने पर जोर दिया। उन्होंने राज्य और देश की युवा पीढ़ी में सिक्रिम प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी की पाठ्यचर्या और सह पाठ्यक्रम गतिविधियों से प्रेरित सकारात्मक बदलावों की सराहना की, जिन्हें नर्सिंग, फार्मसी, फिजियोथेरेपी और संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान के क्षेत्र में कुशल जनशक्ति की आवश्यकता है। जो कला और बुनियादी विज्ञान के अलावा सिक्रिम प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, ताड़ोंग, गंगटोक में पसंदीदा डोमेन हैं। माननीय राज्यपाल ने स्नातक छात्रों को उनकी इंटरशिप के दौरान पर्याप्त अनुभव और अनुभव प्रदान करने वाली गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के आधार पर चुनौतियों को सुचारू रूप से प्राप्त करने और इसे दूर करने के लिए तैयार होने के लिए प्रोत्साहित किया। दीक्षांत समारोह में महामहिम राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने विद्यार्थियों को बधाई दी तथा भविष्य में भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जारी रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कड़ी मेहनत से ही सफलता मिलती है। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह एक उत्सव है और इस उत्सव में उत्साह होना चाहिए। उत्साह ही जीवन है और कमजोरी ही मृत्यु है। हमें अपनी उन सभी परंपराओं पर गर्व होना चाहिए जो हमें उत्साह से भरपूर रखती हैं। उन्होंने संस्कारयुक्त शिक्षा और अनुशासन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि डिग्री लेना ही एकमात्र लक्ष्य नहीं है, विकसित भारत बनाना भी लक्ष्य है। उन्होंने नई शिक्षा नीति, कौशल विकास आधारित शिक्षा और रोजगारोन्मुखी शिक्षा पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि साहस के साथ विनय भी

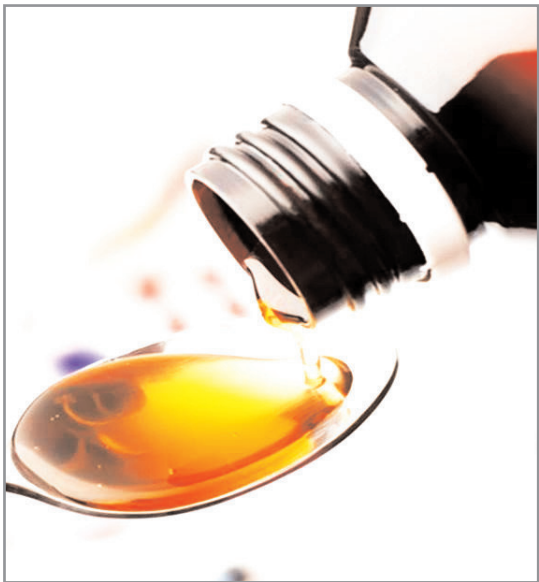
सुंदर है। उन्होंने कहा कि ज्ञान से विभक्त आती है। कार्यक्रम के दौरान सिक्रिम व्यावसायिक विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. एच.एस. यादव ने मुख्य अतिथि और सभी गणमान्य व्यक्तियों, विशेष रूप से सचिव शिक्षा, सरकार का स्वागत किया। सिक्रिम की सुश्री प्रधान, जिनका सिक्रिम के विकास में योगदान, विशेष रूप से शैक्षिक बुनियादी ढांचे में प्रभावशाली रहा है और परिणाम परिणामोन्मुख हैं। प्रो. यादव ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रभावों को याद करते हुए कहा कि यदि कोई युवा आजीविका के लिए या राष्ट्र निर्माण के लिए उज्ज्वल भविष्य तलाश रहा है। एसपीयू के कुलपति ने व्यक्त किया कि नर्सिंग, फार्मसी, मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी, फिजियोथेरेपी, कला और बुनियादी विज्ञान के क्षेत्र में जनशक्ति तैयार करने में एसपीयू का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा है और हमारे छात्रों ने अपने कार्यस्थल में अच्छी प्रतिष्ठा अर्जित की है। वीसी ने ग्रामीण क्षेत्रों में छात्रों और संकाय सदस्यों द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों की सराहना की और एनएसएस गतिविधियां कल्पना से परे हैं और समाज के लिए एक बड़ी मदद हैं। संकाय, अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका काफी उत्साहजनक रही है और एसपीयू के पास वांछित स्तर पर शैक्षणिक परिणाम देखने की महत्वाकांक्षी योजना है। सिक्रिम के विकास में एसपीयू की भूमिका महत्वपूर्ण रही है और बड़ी संख्या में हमारे छात्र सिक्रिम के साथ-साथ देश के अन्य हिस्सों में भी काम कर रहे हैं और कुछ ने संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे विकसित देश को चुना है। शिक्षक-छात्र अनुपात के आधार पर इंडिया टुडे ने एसपीयू गंगटोक को पहला स्थान दिया था।

सोयाबीन-सरसों में नरमी की संभावना, रिकार्ड फसल और आयात से दबाव



इंदौर। इस साल के खत्म होते-होते सस्ते खाद्य तेल उपभोक्ताओं को राहत देते दिख रहे हैं। आने वाले एक-दो महीनें तेल के दामों में स्थिरता या नरमी की उम्मीद जताई जा रहा है। वैश्विक खाद्य तेल बाजार के असर से फिलहाल भारतीय बाजारों में तेल के बाजार में खास उठापटक की उम्मीद नहीं है। सीबीट और अर्जेंटीना एफओबी के सेंटीमेंट कमजोर है। इससे भारतीय बाजार में सोयाबीन तेल के भाव पर दबाव है। इसी का नतीजा है कि समाहभर में दाम 15 रुपये प्रति दस किलो तक घटे हैं।सुरजमुखी तेल की अच्छी उपलब्धता बनी हुई है। दूसरी पाम तेल ने थोड़ी सी मजबूती हासिल की है। केएलसी की स्थिरता पाम तेल को सपोर्ट दे रही है। प्रतिव्ह्द्री तेलों के बाजार को देखते हुए तेजी के आसार नहीं है। इस बीच सरसों की नई फसल भी तेल बाजार को प्रभावित कर रही है। देश में इस रबी में सरसों के रिकार्डतोड़ उत्पादन की उम्मीद है। बीते साल का केरी फारवर्ड स्टाक भी हाथ में है। ऐसे में सरसों के दाम भी नरम पड़ रहे हैं। अब तक सरसों की बुवाई कुल 102.38 लाख हेक्टेयर से ज्यादा क्षेत्र में हो चुकी है। खाद्य तेलों का आयात अच्छा बना हुआ है। सरकार ने ड्यूटी मुक्त व्यवस्था कायम रखी है। ऐसे में तेलों के दाम अब नरमी वाले ही रहते दिख रहे हैं। सरसों, सनफ्लावर दोनों तेल सोयाबीन तेल की चाल के अनुरूप ही रहेंगे। सोयाबीन पर दबाव बना हुआ है। हालांकि डीओसी के दाम अच्छे बने हुए हैं। निर्यात भी लगातार बढ़ता दिख रहा है। आम चुनाव तक सरकार के प्रबंध भी तेल के दामों पर अंकुश लगाते रहेंगे। छावनी मंडी में सोयाबीन 4500-4800, सरसों निमाड़ी 6200-6400, राइड 5000 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बताए गए। स्थानीय बाजार में सोया तेल में ग्राहकी सीमित रहने से भाव मजबूती पर टिके हुए है। सोया तेल इंदौर 880, पाम तेल 885 रुपये प्रति दस किलो के भाव रहे। लूज तेल के दाम - (प्रति दस किलो के भाव) मूंगफली तेल इंदौर 1580-1600, मुंबई मूंगफली तेल 1600, इंदौर सोयाबीन रिफाईंड 880, इंदौर सोयाबीन साल्वेट 830-835, इंदौर पाम 885, मुंबई सोया रिफाईंड 875, सोया डीगम 845, मुंबई पाम तेल 820, राजकोट तेलिया 2500, गुजरात लूज 1575, कपास्या तेल इंदौर 820 रुपये । सोयाबीन प्लांट खरीदी भाव - केएन एग्री इटारसी 4800, आइंडिया लक्ष्मी 4821, देवास केपी साल्वेक्स 4850, खंडवा आइल 4850, लिवांग फूड शुजालपुर 4825, एमएस साल्वेक्स नीमच 4900, नीमच प्रोटीन 4900, पतंजलि फूड 4775, प्रकाश पीथमपुर 4880, प्रेस्टीज रफु देवास 4875, रामा फास्फेट धरमपुरी 4750, आरएफ साल्वेक्स सिवनी 5000, सांवरिया इटारसी 4850 रुपये। नई कपास्या खली - (60 किलो भारती) इंदौर 1800, देवास 1800, उज्जैन 1800, खंडवा 1775, बुरहानपुर 1775, अकोला 2825 रुपये।

दस से ज्यादा दवा कंपनियों में कफ सिरप में इस्तेमाल हो रहे कच्चे माल की जांच



इंदौर। खांसी की दवा (कफ सिरप) पर केंद्र के अलर्ट के बाद अब इंदौर में भी जांच तेज हो गई है। पांच दिनों में सेंट्रल ड्रग स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन (सीडीएसओ) के अधिकारियों ने इंदौर में 10 से ज्यादा दवा कंपनियों की जांच कर ली है। कंपनियों से कफ सिरप में इस्तेमाल हो रहे कच्चे माल (एपीआइ) का रिकार्ड लिया गया है। इस बीच दवा निर्माताओं के संगठन फेडरेश आफ फार्मा आंत्राप्रेनोर्स (एफओपीई) ने दवा निर्माताओं के लिए गाइडलाइन जारी कर दी है।5 दिसंबर को केंद्र ने कफ सिरप के निर्माण में उपयोग किए जा रहे तीन प्रमुख तत्वों (एपीआइ) को लेकर निर्देश जारी किया था। सभी राज्यों के विभाग को आदेश दिया था कि सुनिश्चित किया जाए कि एपीआइ फार्मा ग्रेड ही हो। न कि इंडस्ट्रियल उपयोग के लिए आने वाले सस्ते कच्चे माल से दवा बना दी जाए। इसके बाद 13 दिन तक क्षेत्रीय सीडीएसओ और राज्य खाद्य औषधि प्रशासन के अधिकार सुस्त रहे। सिर्फ एक ही निर्माता के यहां जांच की गई।

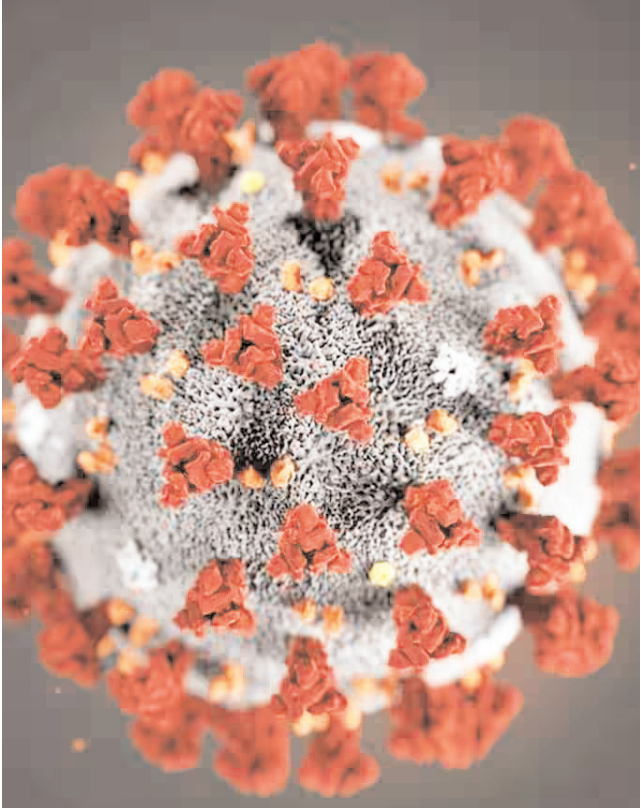
वजन रखना चाहते हैं कंट्रोल तो डिनर करिए थोड़ा जल्दी, इस आदत के और भी कई फायदे



शरीर को सेहतमंद रखने के लिए स्वस्थ और पौष्टिक आहार का सेवन तो जरूरी है ही, इसके साथ जरूरी है कि आप समय पर अपना भोजन करें। पोषण विशेषज्ञ कहते हैं, समय पर भोजन करना, विशेषतौर पर जल्दी डिनर करना हमारे लिए बहुत जरूरी है, वजन कंट्रोल रखने से लेकर शुगर को नियंत्रित रखने, मेटाबॉलिज्म को ठीक रखने में भी इससे लाभ मिल सकता है। अक्सर देखा गया है कि हम देर रात में भोजन करते हैं, अस्वस्थ चीजों का सेवन करते हैं इससे कई प्रकार से शरीर को नुकसान हो सकता है। एंडोक्राइन सोसाइटी के जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंडोक्रिनोलॉजी एंड मेटाबॉलिज्म में प्रकाशित एक अध्ययन के मुताबिक, देर से खाना खाने से वजन और रक्त शर्करा का स्तर बढ़ सकता है। पर भोजन का समय हमारी सेहत को किस प्रकार से प्रभावित करता है? आइए इस बारे में विस्तार से समझते हैं। अध्ययन में क्या पता चला? जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय में मेडिसिन के प्रोफेसर डॉ. जोनाथन सी. जेन कहते हैं, अध्ययन के दौरान हमने समझने की कोशिश की, क्या देर से खाना वास्तव में हमारे लिए नुकसानदायक है? इसमें शोध टीम ने पाया कि देर से डिनर करने से हमारा मेटाबॉलिज्म इस तरह से बदल जाता है जो मोटापे को बढ़ावा दे सकता है। इसके लिए 20 लोगों (10 पुरुष और 10 महिलाओं) के साथ अध्ययन किया गया। एक ग्रुप को शाम 6-7 के बीच और दूसरे को रात में 10 बजे भोजन दिया गया। सभी प्रतिभागी एक ही समय पर सोने जाते थे। अध्ययन के निष्कर्षों से पता चलता है कि देर से खाना खाने वालों में रक्त शर्करा का स्तर अधिक और फैट बर्न की मात्रा कम होती है। क्या होना चाहिए डिनर का समय? अन्य प्रयोगशाला अध्ययनों से भी पता चलता है कि यदि आप अपनी दिनचर्या को सामान्य सैकेंडियन रिदम के साथ लेकर नहीं चलते हैं, तो शरीर में ग्लूकोज का उस तरह से मेटाबॉलिज्म नहीं हो पाता है जो शरीर को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी है। ज्यादातर अध्ययनों में बताया गया है कि शाम के सात बजे तक डिनर करना सबसे बेहतर समय होता है। ये वजन को कंट्रोल रखने में आपके लिए मददगार हो

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का अलर्ट

कोरोना ने इन दो बीमारियों का बढ़ा दिया है जोखिम, बच्चों में खतरा अधिक



लेकर सावधानी बरतनी जरूरी है। नए वैरिएंट के कारण बढ़ रहा है संक्रमण इन बीमारियों के बारे में जानने से पहले देश में कोरोना की स्थिति जान लीजिए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटे में 412 नए लोगों में संक्रमण की पुष्टि की गई है, इसके साथ देश में कोरोना के एक्टिव मामलों की संख्या 4100 को पार कर गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के सूत्रों ने सोमवार को बताया कि रविवार तक कोरोना के नए JN.1 वैरिएंट से संक्रमित कुल 63 मामलों का पता चला है, जिसमें गोवा में सबसे अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। कुल मामलों में से 34 गोवा से, नौ महाराष्ट्र, आठ कर्नाटक, छह केरल, चार तमिलनाडु और दो तेलंगाना में रिपोर्ट किए गए हैं। खसरा और एसएसपीई का जोखिम इस बीच किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) लखनऊ के न्यूरोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रोफेसर आर.के. गर्ग ने कहा, कोरोना ने कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ाई हैं। इसके कारण खसरा और सबस्यूट स्केलेरोजिंग पैनेसेफलाइटिस (एसएसपीई) का जोखिम भी काफी बढ़ गया है। कोविड महामारी के दौरान 2020 से 2022 के बीच इन बीमारियों के टीकाकरण में समस्या आई है जिसके कारण इन रोगों का जोखिम हो सकता है। सबस्यूट स्केलेरोजिंग पैनेसेफलाइटिस (एसएसपीई), खसरा वायरस के कारण होने वाली गंभीर जटिलता है। हालांकि इसके मामले काफी दुर्लभ रहे हैं। खसरे के वायरस को टीकाकरण से रोक जा सकता है, व्यापक स्तर पर टीकाकरण ने एसएसपीई की समस्या को काफी नियंत्रित किया हुआ था। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में टीकाकरण में आई बाधा के कारण भारत सहित कई देशों में खसरे के फिर से उभरने का जोखिम है, जिसने एसएसपीई के लिए भी चिंताओं को बढ़ा दिया है। सबस्यूट स्केलेरोजिंग पैनेसेफलाइटिस (एसएसपीई) को खसरा वायरस के कारण होने वाली दीर्घकालिक समस्या है। खसरे के संक्रमण के दौरान कभी-कभी वायरस मस्तिष्क में प्रवेश कर जाता है। इस स्थिति में खसरे का वायरस मस्तिष्क में संक्रमण (एन्सेफलाइटिस) का भी कारण बन सकता है। इतना ही नहीं वायरस बिना किसी समस्या के लंबे समय तक मस्तिष्क में रह भी सकता है। महिलाओं की तुलना में पुरुषों में इसका खतरा अधिक देखा जाता रहा है। एसएसपीई विकसित होने का जोखिम उन लोगों में सबसे अधिक होता है जो 2 वर्ष की आयु से पहले खसरे से संक्रमित हो जाते हैं।

भारत सहित दुनिया के कई देशों में कोरोना के नए वैरिएंट JN.1 के कारण संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ते हुए रिकॉर्ड किए जा रहे हैं। ओमिक्रॉन वैरिएंट का ही एक म्यूटेटेड रूप माना जा रहा JN.1 अधिक संक्रामकता और आसानी से शरीर में वैक्सीन से बनी प्रतिरक्षा प्रणाली को चकमा देने वाला पाया गया है। इसकी प्रकृति को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने इसे वैरिएंट ऑफ इंटरेस्ट के रूप में वर्गीकृत किया है। अब तक हुए अध्ययनों में पाया गया है कि वैसे तो इसके कारण गंभीर रोग विकसित होने का खतरा कम है, पर ये वैरिएंट तेजी से फैल सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कोरोना के बढ़ते मामलों को लेकर अलर्ट करते हुए सभी लोगों को बचाव करते रहने की सलाह दी है। डॉक्टर्स कहते हैं कोरोना के कारण कुछ प्रकार की गंभीर बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है, जिसको

नए साल का जश्न मनाने जा रहे हैं शिमला-मनाली तो जान लें होटलों की स्थिति, कितना है किराया?



नए साल 2024 के आगाज में कम वक्त बचा है। नए साल के स्वागत को लेकर लगभग सभी उत्साहित होते हैं। लोग साल की शुरुआत कुछ यादगार तरीके से करना पसंद करते हैं। इसके लिए लोग दोस्तों या परिजनों के साथ पार्टी या फिर कहीं सफर की योजना पहले से बनाने लगते हैं। कई लोग नए साल में घूमने की योजना बना रहे होंगे। साल की शुरुआत भी वीकेंड से ही रही है। 30 और 31 दिसंबर को शनिवार व रविवार है। इसके बाद 1 जनवरी को सोमवार है। ऐसे में जो लोग घूमने जाना चाहते हैं, वह शनिवार और रविवार की छुट्टी और नए साल यानी 1 जनवरी की छुट्टी का लाभ उठा सकते हैं। तीन दिन की यादगार ट्रिप पर आप भारत के कई पर्यटन स्थलों की सैर कर सकते हैं। हालांकि नए साल में पर्यटकों की संख्या बढ़ जाती है, इसलिए किसी भी जगह पर जाने से पहले वहां की पूरी जानकारी एकत्र कर लें ताकि सफर का मुकाबला न हो जाए। आइए जानते हैं कि नए साल की ट्रिप पर अगर आप हिमाचल प्रदेश के हिल स्टेशनों की सैर करना चाहते हैं तो कितना खर्च आ सकता है और यहां पर्यटकों की स्थिति कैसी रहेगी? नया साल पर सर्दी का मौसम रहता है। इस मौसम में हिल स्टेशनों की खूबसूरती और अधिक बढ़ जाती है। सर्दी में हिमाचल प्रदेश के कई हिल स्टेशनों पर बर्फबारी देखने को मिलती है। हिमालय

की बर्फ से ढकी सफेद चादर का नजारा देखने दूर दराज से लोग पहुंचते हैं। हर साल नए साल के मौके पर शिमला-मनाली में पर्यटकों की संख्या बढ़ जाती है। इस वर्ष महज क्रिसमस के मौके पर शिमला में एक दिन में 13 हजार से ज्यादा गाड़ियों की आवाजाही हुई है। जिसमें से 6 हजार गाड़ियां सोलन से शिमला और शिमला-मनाली जा रहे हैं तो घंटों ट्रैफिक में फंस सकते हैं। दिल्ली से बेहद करीब होने के कारण यहां सैलानियों की संख्या बहुत अधिक हो जाती है। पिछले साल नए साल के मौके पर हजारों यात्रियों की गाड़ियां घंटों ट्रैफिक जाम में फंसी रही थीं। ऐसे में खुद की गाड़ी या सड़क परिवहन से यात्रा कर रहे हैं तो वीकेंड से पहले ही यहां पहुंच जाएं। प्रयास करें किसी ऐसी जगह पर घूमने की योजना बनाएं जहां बहुत अधिक सैलानी न हों ताकि आप खुलकर नव वर्ष के जश्न को एन्जॉय कर सकें। दिल्ली से शिमला की

दूरी लगभग 343 किमी है। 8 घंटे का सफर तय करके यहां पहुंचा जा सकता है। अगर आप ट्रेन से जा रहे हैं तो कालका से ट्रेन बदलनी पड़ती है। रास्ते में बरोग के पास स्थित सबसे लंबी सुरंग जो कि एक किमी से अधिक दूर तक फैली है, से शानदार नजारा देखने को मिल जाएगा। दिल्ली से मनाली की दूरी लगभग 503 किमी है, जहां 12 घंटे का सफर तय करके पहुंचा जा सकता है। दिल्ली से अंबाला कैंट के लिए आपको ट्रेन मिल जाएगी, जहां से आपको बस से मनाली जाना होगा। पर्यटकों की संख्या बढ़ने के कारण नए साल के मौके पर अधिकतर होटलों की बुकिंग पहले से हो जाती है और अच्छे व किफायती होटलों में कमरे मिलना मुश्किल हो जाता है। वहीं पर्यटन का सीजन होने के कारण होटलों में कमरे के पहुंचा जा सकता है। ध्यान रखें कि अगर आप नए साल पर किसी भी पर्यटन स्थल पर जा रहे हैं तो पहले से ही आनलाइन होटल बुकिंग करा लें ताकि वहां पहुंचकर भटकना न पड़े और मनमुताबिक रूप किराया वसूले जाने से भी बच सकें। नए साल पर शिमला में होटल का किराया लगभग 1,500 हजार रुपये से अधिक है। बजट में सफर के लिए आप होम स्टे में भी रह सकते हैं। मनाली में भी आपको 1000 रुपये में होटल में कमरा मिल जाएगा, लेकिन पहले से बुकिंग कराकर जाएं।

सुबह के नाश्ते में बनाएं ये लजीज व्यंजन



सुबह का वक्त हर किसी के लिए काफी अहम होता है। ऐसा कहा जाता है कि जैसा मूड आपको सुबह के वक्त होता है, उसी पर आपका पूरा दिन निर्भर करता है। ऐसे में लोग सुबह के वक्त अच्छी आदतों को फॉलो करते हैं। बात करें सुबह के नाश्ते की तो ये कहा जाता है कि सुबह के वक्त अच्छे से नाश्ता करना चाहिए। इससे ना सिर्फ दिन भर पेट भरा रहता है, साथ ही में शरीर स्वस्थ भी रहता है लेकिन स्कूल, कॉलेज, ऑफिस या किसी अन्य काम पर जाने वालों के पास इतना समय नहीं होता कि वो अच्छे से नाश्ता कर पाएं। ऐसे में लोगों को हेल्दी नाश्ता करने की सलाह दी जाती है। अक्सर लोगों को ये समझ नहीं आता कि वो नाश्ते में ऐसा क्या बनाएं, जो जल्दी बन भी जाए और हेल्दी भी हो।

ऐसे में आज के लेख में हम आपको नाश्ते के कुछ ऐसे ही विकल्प बताने जा रहे हैं, जो आपके लिए काफी सही साबित हो सकते हैं। ये एक ऐसा विकल्प है, जिसे बनाना बेहद आसान है। नमकीन डालकर आप पोहा खा सकते हैं। अगर आपको सादा पोहा पसंद है तो ये भी एक बेहतर विकल्प है। बच्चों से लेकर बड़ों तक को ये पसंद आता है। मूंग दाल का चीला आप अपनी पसंदीदा मसालों और सब्जियों के साथ कम समय में मूंग दाल का चीला आसानी से तैयार कर सकते हैं। हरे धुनिए की चटनी के साथ ये खाने में काफी स्वादिष्ट लगता है। साउथ इंडिया के साथ-साथ पूरे देश में डोसा

चटनी के साथ नाश्ते में परोसा जाता है। डोसा बेहद कम तेल में बनता है, ऐसे में ये एक हेल्दी विकल्प है। अगर आप कुछ ऐसा बनाना चाहते हैं जो हेल्दी होने के साथ-साथ स्वादिष्ट भी हो तो इडली सांभर एक बेहतर विकल्प है। आप चाहें तो इसके साथ नारियल की चटनी भी परोस सकते हैं। अगर आप कुछ ऐसा तलाश कर रहे हैं, जो आप पैक करके ले जा सकें और अपने रास्ते में खा सकें तो सलाद एक बेहतर विकल्प है। अब तो सर्दियों का मौसम आ रहा है। ऐसे में आपको सब्जियों के भी कई ऑप्शन मिल जाएंगे। ये एक ऐसा विकल्प है, जिसे आप रात में ही बनाकर तैयार कर सकते हैं। इसे आप टिफिन में भी ले जा सकते हैं। ये खाने में स्वादिष्ट लगता है।

सिंगल कॉलम

कांग्रेस नेता ने किया सवाल- क्या राम मंदिर असली मुद्दा है महंगाई रोजगार के बारे में बात करें



एहि दिल्ली- जब देश अयोध्या में राम मंदिर के अभिषेक की तैयारी कर रहा है, तो वरिष्ठ कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने स्वावल ठडरहा है, क्या राम मंदिर असली मुद्दा है या बेरोजगारी और महंगाई? मुझे किसी भी धर्म से कोई समस्या नहीं है। कभी-कभार मैं मंदिर जाना ठीक है, लेकिन आप उसे मुख्य मंत्र नहीं बना सकते। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा, 40 प्रतिशत लोग बीजेपी को वोट देते हैं और 60 प्रतिशत लोग बीजेपी को वोट नहीं देते हैं। वह हर किसी के प्रधान मंत्री हैं, किसी पार्टी के प्रधान मंत्री नहीं हैं और भारत के लोग उनसे यही संदेश चाहते हैं। रोजगार के बारे में बात करें, यद्वास्कीति के बारे में बात करें, विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा नूतनतियों के बारे में बात करें। उन्हें (लोगों को) फैसला करना होगा कि वास्तविक मुद्दे क्या हैं- क्या राम मंदिर असली मुद्दा है या बेरोजगारी एक असली मुद्दा है। क्या राम मंदिर असली मुद्दा है या महंगाई असली मुद्दा है? 7% इंडियन ओवरसीजर्स कांग्रेस के अध्यक्ष पित्रोदा ने जोर देकर कहा, अपने धर्म का पालन करें लेकिन धर्म को राजनीति से अलग रखें। जब पित्रोदा से कुछ विषयी नहीं द्वारा उठता है तो हर सवाल के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कांग्रेस और भारतीय गृह के सदस्यों से इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (वीएएम) को गंभीरता से लेने का आग्रह किया क्योंकि 2024 का लोकसभा चुनाव देश की नियति तय करेगा। उन्होंने आगे कहा कि, मैं अपनी पार्टी (बैंगल) के सदस्यों से अप्रुध करुणा कि वे इस मामले को बहुत गंभीरता से लें। यह कोई साधारण मुद्दा नहीं है। इसे नजरअंदाज न करें क्योंकि 2024 का चुनाव देश की नियति तय करेगा। यह तय करेगा कि भारत किस रास्ते पर जा रहा है। उन्होंने कहा, मैं देख रहा हूँ कि आज लोकतंत्र कमजोर हो गया है। एक देश का प्रधानमंत्री 10 साल तक प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं करता, यह मुझे परेशान करता है। प्रधानमंत्री मंदिर में अधिक समय दे रहे हैं, यह मुझे परेशान करता है। इंडिया ब्लॉक के पीएम चेरेरे पर बोले हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि चुनाव किसी चेहेरे या व्यक्ति पर नहीं, बल्कि एक विचार पर लड़ना चाहिए। पित्रोदा ने आगे कहा, चुनाव एक विचार पर लड़ा जाना चाहिए। संविधान की रक्षा कोन करेगा? आपके लोकतंत्र को कौन बढ़ाएगा? नौकरियां, आपके स्वास्थ्य की देखभाल और बुनियादी ढांचा कौन प्रदान करेगा? यह राष्ट्रपति चुनाव नहीं है। यह संसदीय चुनाव है। इसलिए आप एक चेहरा नहीं बल्कि एक विचार होना चाहिए। विचार यह है कि हम लोकतंत्र चाहते हैं, हम समावेशन, विविधता चाहते हैं। ये मुद्दे हैं। ना की यह कि मोदी बनाने कोई नहीं है। भारत गठबंधन में कई योग्य लोग हैं। कुछ दिखाई दे रहे हैं, कुछ नहीं दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने राहुल गांधी की प्रशंसा करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता एक बुद्धिमान व्यक्ति हैं और नेतृत्व करने के योग्य हैं। उन्होंने कहा, जब हम विदेश में भारत की आलोचना नहीं करते, तो हम भारत सरकार की आलोचना करते हैं। इन दो अलग-अलग चीजों के बीच भ्रम पैदा न करें। भारत दुनिया के लिए महत्वपूर्ण है। हमें अपने देश के बारे में वैश्विक मंच पर चर्चा करने का पूरा अधिकार है। पित्रोदा, जो राहुल गांधी की अमेरिकी यात्रा के दौरान उनके साथ थे। 2024 के चुनावों में जीत का भारोसा जताते हुए सैम पित्रोदा ने कहा, देश के लोगों को सोचना होगा कि क्या वे हिंदू राष्ट्र बनाना चाहते हैं या समावेशन, रोजगार पर ध्यान देने वाला एक सच्चा धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र बनाना चाहते हैं।

घने कोहरे में डूबा समूचा उत्तर भारत, कई राज्यों में रेड अलर्ट, नए साल पर होगी बारिश

ई दिल्ली - सामान्य तापमान के बीच शीत लहर ने एकाएक जोर पकड़ लिया है जिससे कई राज्यों के तापमान में 5 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग द्वारा पंजाब, हरियाणा सहित कई राज्यों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। वहीं संज्या उत्तर भारत पन कोहरे में डूब गया है।

पंजाब-हरियाणा सहित पड़ोसी राज्यों में धुंध की वजह से विजिलिबिलि बेहद कम रह चुकी है, इसक राज्य उत्तर भारत सहित आसपास के 15 के करीब राज्य ठंड और घने कोहरे की वपेट में आ चुके हैं। बढ रही ठंड से आम जन जीवन भी तरस से अस्त व्यस्त हो रहा है, वहीं, धुंध से यातायात प्रभावित होना शुरू हो गया है। दिल्ली, हरियाणा, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और ओडिशा में कुछ जगह विजिलिबिलि ज़ीरो हो गई है। उधर, दक्षिण भारत में 31 दिसम्बर तक बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग ने बताया कि 5 दिनों के दौरान हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक इस साल के आखिरी दिन यानी 31 दिसम्बर से वेस्टर्न डिस्टर्बैस पछिदव होगा। इससे राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और तमिलनाडु में बादल छाने के साथ कहीं-कहीं बारिश होगी। इस सिस्टम का असर 2 जनवरी को भी रहेगा। इस दौरान उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के राज्यों में बूंदबांदि के आसार हैं। 27 दिसम्बर तक पंजाब में सुषव व देर रात के समय घनी धुंध पडने की संभावना है। 28 व 29 दिसम्बर को मौसम साफ रहेगा जबकि 30 व 31 दिसम्बर को पंजाब के कई जिलों में हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना है।

मौसम विभाग ने मंगलवार व बुधवार के लिए भी कोहरे का अरिज अलर्ट जारी किया है। रात के समय कई जिलों में विजिलिबिलि 10 मीटर से भी कम वहीं, रात के समय कई जिलों में विजिलिबिलि 10 मीटर से भी कम रिकार्ड की गई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के चंडीगढ़ केन्द्र द्वारा अगले 2 दिन घने कोहरे की चेतावनी दी गई है और रेड अलर्ट के कारण एतियाय बरतने को कहा गया है। अगले कुछ दिनों में पंजाब के कई जिलों में बारिश पडने के आसार भी बने हुए हैं। इसके चलते ठंड बढेगी। विशेषज्ञों के मुताबिक सावधानी अपनाने व हाइव पर संभलकर चलने का परामर्श जारी किया

इजराइली सेना ने गाजा के शरणार्थी शिविरों पर की गोलाबारी नेतन्याहू ने दी चेतावनी- लड़ाई 'खत्म नहीं होने वाली'

इंटरनेशनल डेस्क: इजराइली बलों ने मंगलवार को मध्य गाजा में स्थित शरणार्थी शिविरों पर गोलाबारी की। स्थानीय नागरिकों ने यह जानकारी दी। माना जा रहा है कि चारों तरफ से घिरे क्षेत्र के तीसरे खंड में अपने जमीनी हमले को विस्तारित करने की संभावित तैयारी के तहत इजराइल ने यह कार्रवाई की है। संभावित रूप से युद्ध क्षेत्र का खुलना इंगित करता है कि आगे की राह विनाशकारी और लंबी है, क्योंकि दक्षिणी इजराइल पर सात अक्टूबर के हमले के बाद इजराइल ने हमास को कुचलने का संकल्प लिया है। कई हफ्तों से इजराइली सेना उत्तरी गाजा और दक्षिणी शहर खान यूनिस में भारी लड़ाई में जुटी हुई है, जिसने फील्डस्तीनियों को शरण लेने के लिए क्षेत्र के छोटे क्षेत्रों में धकेल दिया है। संघर्ष विराम के लिए अंतरराष्ट्रीय दबाव और हताहत होने वाले नागरिकों की संख्या में कमी लाने के अमेरिकी अंबेजान ने बातचीत इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहु ने सोमवार को चेतावनी दी कि लड़ाई खत्म होने के करीब नहीं है। हाल में इजराइल की ओर से किया गया हमला सबसे विनाशकारी सैन्य अभियानों में से एक है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, अब तक 20,600 फील्डस्तीनी नागरिक मारे गए हैं जिनमें दो तिहाई बच्चे और महिलाएँ हैं। मंत्रालय नागरिकों और लड़कों के बीच अंतर नहीं करता है। इस बीच इजराइल-

हमास युद्ध से क्षेत्र के आसपास तनाव बढ़ने के नये संकेत मिले हैं। सीरिया में एक इजराइली हवाई हमले में एक ईरानी चरमपंथी चरमपंथी की मौत हो गई जिससे ईरान की ओर से बदला लेने के संकल्पों की शुरुआत हो गई है। अमेरिकी लड़ाकू विमान ने ईरान समर्थित चरमपंथियों का इजराक में निशाना बनाया जिन्होंने एक ड्रोन हमला करके वहाँ एक अमेरिकी सैनिक को घायल कर दिया था। मध्य गाजा के निवासियों ने मंगलवार को गोलनाबारी और हवाई हमलों की रात का वर्णन किया, जिससे नुसरीत, पशाजी और ब्यूरिज स्थित शिविर में रहने वाले लोग दहल गए। ये शिविर बसाए गए एकस्त्र हैं जिनमें 1948 के युद्ध के दौरान वर्तमान इजराइल स्थित अपने घरों से निवासियों को एक फलस्तीनी लोगों और उनके वंशजों को रखा गया है। अब इन शिविरों में उत्तर से भागे लोगों के आने से भीड़ बढ़ गई है। फलस्तीनी शिक्षक राडवान अबू रेज़ा ने ब्यूरेज में अपने घर से फोन पर कहा, “बमबारी बहुत तीव्र थी। उन्होंने इजरायली सैनिकों के बारे में कहा, “ऐसा लगता है कि वे आ रहे हैं।” हमला मार की सैन्य शाखा ‘कासमी ब्रिगेड’ ने कहा कि उसने लड़कों ने ब्यूरेज के पूर्व में एक इजराइली सैन्य टुकड़ी पर हमला किया है। इसकी रिपोर्ट की स्वतंत्र रूप से अभी पुष्टि नहीं की जा सकती है। इजरायली सैन्य शिविरों की तरफ बढ़ रही है। युद्धक विमानों और तोपखानों से



नुसीरत शिविर के पूर्व के इलाकों पर भी हमला किया गया। एक फलस्तीनी मछुआरे एजेल-दीन मोहम्मद अब्दुल्लाह अल-मसरी ने कहा, बमबारी के कारण हम सो नहीं सके। अल-मसरी अपने पांच बच्चों और अन्य परिवार के साथ उत्तरी गाजा से क्षेत्र में विस्थापित हो गये थे। उन्होंने कहा, हम डरे हुए हैं बत्ता दें कि इजराइली सैनिक उत्तरी गाजा में हमारा और अन्य चरमपंथियों के साथ लगाभोग दौलत से जमीनी लड़ाई साधे। खान यूनिस में कई हफ्तों से शहरी

लड़ाई में जुटे हुए हैं। लड़ाई और बमबारी ने दोनों क्षेत्रों के बड़े हिस्से को नेस्तनाबूद कर दिया है और पूरे क्षेत्र में हमले जारी हैं। इजराइली सेना ने मंगलवार को दो और सैनिकों की मौत की घोषणा की, जिससे जमीनी हमले में मारे गए सैनिकों की कुल संख्या 158 हो गई है। चरमपंथियों ने सोमवार देर रात इजराइल पर रॉकेट की बौछार कर दी, जिससे दक्षिण शहर अश्कलोन में हवाई हमले के साक्ष्य बजने लगे। जानमाल के नुकसान की कोई तत्काल सूचना नहीं

मिली है। हमास ने सात अक्टूबर को दक्षिणी इजराइल पर हमला कर दिया था जिसमें करीब 1200 लोगों की मौत हो गई जिसमें ज्यादातर आम नागरिक हैं। इसके अलावा हमास ने 240 लोगों को बंधक भी बना लिया था। इसके बावजूद इजराइल ने जवाबी शुरू की और हमास-इजराइल युद्ध की शुरुआत हो गई। इजराइल ने कहा है कि उसका लक्ष्य 100 बंधकों को छुड़ाने का है जिन्हें अब भी गजा में कैद करके रखा गया है।

**पाकिस्तान: हिंसक कार्रवाई के बावजूद
बलूच प्रदर्शनकारियों की उम्मीदें बरकरार**



इंटरनेशनल डेस्क. दुरान्ज बीबी जबरन गायब किए गए अपने प्रियजनों के साथ बलाढ्य बल के लिए बुधवार रात सैकड़ों बलूच प्रदर्शनकारियों के साथ इस्लामाबाद पहुंची, लेकिन न्याय के बजाय उन्हें अन्य लोगों के साथ राज्य के क्रोध का सामना करना पड़ा। डॉन प्रेस क्लब जब दुरान्ज बीबी से बात कर रहे पहुंचा तो वह अपनी बांहों में एक बच्चे को संतुलित करने की कोशिश कर रही थी। बच्चे ने अपने किसी प्रियजन को तब्यारी को कसकर पकड़ रखा था, जो तीन साल से अधिक समय से लापता था। प्रेस क्लब को बताया, उसकी माँ इस मार्च में सबसे आगे हैं और मैं फिलहाल बच्चे की देखभाल कर रही हूँ। इस्लामाबाद पहुंचने के बाद प्रदर्शनकारियों को पुलिस के हाथों हिंसक कार्रवाई का सामना करना पड़ा, जिसमें 200 से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया और उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद ही उन्हें रिहा किया। कार्रवाई के आलोक में, बलूच यकजेहेती समिति (बीवाईसी) ने नेतृत्व में लंबा मार्च अब नेशनल प्रेस क्लब के बाहर धरने में बदल गया है। विरोध के आयोजकों में से एक डॉ महारज बलूच ने कहा- हर प्रदर्शनकारी के पास बताने के लिए एक दर्दनाक कहानी है। उन्होंने बहुत बुरा देखा है। संख्या में ताकत है लेकिन आज हमारे अधिकांश साथी, जो हमें लेने के लिए यहां आए थे, उनके खिलफ मामला दर्ज कर लिया गया है। 14 ऐसे हैं जिनके ठिकाने अज्ञात हैं। उन्होंने अफसोस जताते हुए आगे कहा-



विरोध प्रदर्शन में शामिल हर व्यक्ति के पास एक दुख की कहानी है और कुछ लोग एक दशक से भी अधिक समय से अपने प्रियजनों को देखने के लिए उत्सुक हैं। शिशु अपने पिता के बिना बड़े हुए हैं और फिर भी हम यहां राज्य की गहरी चुप्पी पर सवाल उठाने के लिए अपनी आवाज उठा रहे हैं। प्रेस क्लब के बाहर शिविर पुलिस की एक टुकड़ी से घिरा हुआ था, जिन्होंने दावा किया कि उन्हें प्रदर्शनकारियों की सुरक्षा के लिए एक तैनात किया गया था। लेकिन बलुच प्रदर्शनकारियों ने इस्लामाबाद पुलिस के हाथों हुए बर्ताव की शिकायत की है। बीमार ज़न्नत बीबी की शिकायतों का अनुवाद करने वाली साइमा ने कहा, जब पुलिस ने ज़न्नत बीबी पर हमला किया तो वह अपने बेटे की तस्वीर पकड़ रही थी और ओर इस घबराहट में उसके जूते भी छूट गए। एक अन्य प्रतिभागी ने दावा किया कि जब पुलिस ने उसे हिरासत में लिया तो उसके कपड़े फट गए थे। इसी तरह के दावे अन्य प्रदर्शनकारियों द्वारा सारा किए गए हैं। 10वीं कक्षा की छात्रा महजोबबो बलुच ने कहा कि वह विरोध शिविर के

लिपि पछले कुछ हफ्तों से राजधानी में थीं। सुश्री बलूच ने बताया कि जब वह अन्य प्रतिभागियों के साथ राजधानी के बाहरी इलाके में मार्च करने वालों का स्वागत करने गईं तो उन्हें हिंसा का सामना करना पड़ा। उन्होंने हमें एक विक्षिप्त महिला के साथ एक कोठरी में रखा, जिसने हमारे साथ दुर्व्यवहार किया और हमें नुकसान पहुंचाने की कोशिश करती रही। पुलिस पर लगाए गए आरोपों के जवाब में पुलिस ने दावा किया कि मार्च करने वालों पर कार्रवाई के बाद उनके खिलाफ गलत सूचना अभियान चलाया गया था। 21-22 दिसंबर को बलूच यकजेहती मार्च के दौरान किसी भी समूह की किसी भी महिला या बच्चे के साथ दुर्व्यवहार नहीं किया गया। उनमें से किसी भी को नुकसान नहीं पहुंचाया गया... सभी महिलाओं को देखभाल के साथ उनके रिश्तेदारों या दोस्तों के साथ भेज दिया गया था। सभी लोगों को अदालत के समक्ष पेश किया गया है और प्रधान मंत्री द्वारा गठित एक मंत्रिस्तरीय समिति के निर्देशों के अनुसार उचित प्रक्रिया के माध्यम से रिहा किया जाएगा।

चीनी महिला ने बैंकाक के नाइटलाइफ़ एरिया को बताया घटिया

पर्यटकों से भरी जगह, मच गया बवाल



पहुँची हैं, इसलिए उन्होंने अपने यात्रा अनुभवों के बारे में कई वीडियो पोस्ट किए हैं। 15 दिसंबर को उसने वह क्लिप साझा की जिससे विवाद खड़ा हो गया और रॉयल थर्ड पुलिस इमिग्रेशन ब्यूरो का ध्यान आकर्षित हुआ। वांग ने एक रात लगभग 11.30 बजे व्यस्त नाना रेड लाइट जिले में घूमते हुए खुद को फिल्माया, जो अपनी नाइटलाइफ के लिए विश्व प्रसिद्ध है। उन्होंने न केवल यह कहा कि यह क्षेत्र असुरक्षित है, बल्कि यह भी कहा कि 99 प्रतिशत आगंतुक बेवकूफ हैं।

थे और उन्होंने महिलाओं से इस क्षेत्र में एकभी भी अकेले न जाने का आग्रह किया। उनकी टिप्पणियों के खिलाफ ऑनलाइन प्रतिक्रिया थीं सरकार द्वारा देखी गईं, जिससे वांग को वीडियो हटाने और अंग्रेजी, थाई और चीनी में सार्वजनिक माफी मांगने के लिए मजबूर होना पड़ा। वांग ने फेसबुक पर भी लिखा, मैं समझती हूँ कि मेरे शब्दों का नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है और मुझे इसका गहरा अफसोस है और मैं नाच जिले और थाई लोगों से माफी मांगती हूँ।

ताइवान में चुनाव से पहले फिर आक्रामक हुआ चीन



इंटरनेशनल डेस्क: ताइवान चीन के बीच तनाव चरम पर है। खास कर ताइवान चुनाव से पहले चीन ने ओर वायु क्षेत्रों में अपन गतिविधियां बढ़ा दी हैं। घंटों के अंदर 8 चीनी ल विमानों ने ताइवान क्षेत्र में घुसपैठ की। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने रवि को कहा कि चीनी यु विमानों ने ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य को पार कर लिया। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा चीन के लड़ाकू विमानों जलडमरूमध्य के उत्तर के क्षेत्र में मध्य रेखा को पार लिया। रक्षा मंत्रालय अनुसार, ताइवान जलडमरूमध्य की मिति लाइन को एक चीनी गुब्बारा भी पार किया है। मंत्रालय कहा कि गुब्बारा पूर्व की

गया और लगभग एक घंटे बाद गायब हो गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विवाद से पहले मीडियन लाइन दोनों पक्षों के बीच एक अनौपचारिक बैरियर के रूप में काम करती थी, लेकिन अब चीनी विमान नियमित रूप से इसके ऊपर से उड़ान भरते हैं। मंत्रालय ने कहा है कि ताइवान ने अपनी निगरानी के लिए सेनाएं भेजी हैं। बता दें कि चीन ताइवान को अपना हिस्सा बताता है जबकि ताइवान खुद को एक स्वतंत्र देश मानता है। चीन ताइवान पर कब्जा करना चाहता है। बता दें कि ताइवान में 13 जनवरी को होने वाले राष्ट्रपति और संसदीय चुनावों के लिए प्रचार अभियान चल रहा है। इन चुनावों में चीन के साथ संबंध और सीमा विवाद का एक प्रमुख मुद्दा है।

पाक सेना प्रमुख मुनीर ने किया आगाह- देश के दुश्मन धार्मिक कमजोरियों का उठा रहे फायदा



इस्लामाबाद- पाकिस्तान के प्रमुख जनरल आसिम मुनीर सोमवार को आगाह किया कि वे दुश्मन धार्मिक, नस्लीय राजनीतिवादी कमजोरों का इससे करके दरार डालने का प्रयास नहीं रहे हैं। रावलपिंडी स्थित एक मंत्रि आयोगित क्रिसमस उत्सव शामिल होने के दौरान उन्होंने बात कही। इस अवसर पर जनरल मुनीर ने जटिल चुनौतियों और सिनपटने के लिए बयानबाजी को दुष्प्रचार के बजाय राष्ट्रीय सुधारों में सही दृष्टिकोण, मुनीर और ज्ञान-आधारित राय रखने महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि "पाकिस्तान के दुश्मन धार्मिक नस्लीय और राजनीतिक कमजोरियों का इस्तेमाल दरार डालने पर तुले हुए हैं। एक दृढ़ और मजबूत राष्ट्र के रूप में उभरने के लिए एकजुट साथ खड़ा होना होगा। अगर पाकिस्तान के पंजाब प्रांतों के कट्टरपंथियों ने ईशान्दिना के अर्धचंद्र के चर्च में कोई भी टाईफोड की तरह जनरल मुनीर ने धार्मिक समुदायों प्रति आदर व्यक्त किया और



के संस्थापक एम ए जिन्ना के एकजुट और प्रगतिशील पाकिस्तान के सच्चे दृष्टिकोण का पालन करने के लिए समाज में अधिक अंतर-धार्मिक सद्भाव को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, “इस्लाम हमें शांति और बंधुत्व का पाठ पढ़ाता है और अंतर-धार्मिक सद्भाव को प्रोत्साहित करता है जो समय की जरूरत है। जनरल मुनीर ने जिन्ना को उनकी 147वीं जयंती पर श्रद्धांजलि देते हुए 11 अगस्त 1947 को संविधान सभा में उनके ऐतिहासिक भाषण को उद्धृत किया। मुनीर ने जिन्ना के भाषण का हवाला देते हुए कहा, “आप स्वतंत्र हैं। आप अपने मंदिरों में जाने के लिए स्वतंत्र हैं। आप इस पाकिस्तान देश में अपनी मस्जिदों या किसी अन्य प्रार्थना स्थल पर जाने के लिए स्वतंत्र हैं।”

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।

प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569

